दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 181 | ग्वालियर बुधवार 8 जुलाई 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

भारत से बाहर कार्रवाई, लंदन में राणा कपूर की संपत्ति होगी जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने अगले सप्ताह राणा कपूर से जुड़ी लगभग 50 करोड़ रुपये की सेंट्रल लंदन की संपत्ति के साथ-साथ फिक्स्ड डिपॉजिट अटैच करने की तैयारी कर ली है। लंदन में राणा कपूर संपत्ति की कुर्की जांच एजेंसी द्वारा यस बैंक केस में विदेश में उठाया गया पहला कदम होगा। एजेंसी ने राणा कपूर की बेटी राखी कपूर द्वारा संचालित कंपनी डूइट क्रिएशन जर्सी लिमिटेड की पहचान की है, जिसमें 83 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। लंदन में राणा कपूर की तीन संपत्तियां हैं, जिनमें 77 साउथ ऑडली स्ट्रीट में एक ऑफिस के संग गेस्ट हाउस, जिसकी कीमत लगभग 107 करोड़ रुपए है। इसके अलावा अन्य आवासी संपत्ति भी है। एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि सेंट्रल लंदन स्थित एक संपत्ति को धन शोधन निवारण अधिनियम पीएमएल के तहत अगले सप्ताह अटैच किया जाएगा। इसके लिए कागजी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस मामले में राणा कपूर के वकील सुभाष जाधव ने टिप्पणी से इनकार कर दिया। जांच एजेंसी ने राणा कपूर के परिवार के स्वामित्व वाली कई महंगी संपत्तियों की पहचान की है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सभी सेवारत शॉर्ट सर्विस कमीशन महिला अधिकारियों को सेना में स्थायी कमीशन देने के अपने फैसले को लागू करने के लिए केंद्र को मंगलवार 7 जुलाई को एक और माह का समय दे दिया है. कोर्ट ने कहा कि एक महीने के भीतर केंद्र सरकार इसका अनुपालन करें. इससे पहले कोर्ट ने 17 फरवरी को अपने ऐतिहासिक फैसले में निर्देश दिया था कि सेना में सभी महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन और कमांड पोस्टिंग दी जाए. समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि केंद्र को उसके फैसले में दिए गए सभी निर्देशों का अनुपालन करना होगा. शीर्ष अदालत का यह निर्देश केंद्र की ओर से दायर एक आवेदन पर आया, जिसमें उसने कोविड-19 वैश्विक महामारी का

हवाला देकर फैसले के क्रियान्वयन के लिए छह माह का समय मांगा था. क्या है मामला- सेना में स्थायी कमीशन पाने से वंचित रह गई महिला अधिकारियों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट फरवरी में अपना फैसला सुनाया था. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले पर मुहर लगाते हुए केंद्र सरकार को फटकार इस मसले पर फटकार लगाई थी. साथ ही केंद्र को फैसला लागू करने के लिए तीन महीने की मोहलत दी थी. इस मामले पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि सेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन दिया जाए, क्योंकि सशस्त्र बलों में लिंग आधारित भेदभाव खत्म करने के लिए सरकार की ओर से मानसिकता में बदलाव जरूरी है. साथ ही कहा कि सेना में महिला अधिकारियों को कमान पोस्ट देने पर पूरी तरह रोक अतार्किक और समानता के अधिकार के खिलाफ है. बता दें कि स्थाई कमीशन का फैसला सेना के कॉम्बैट विंग में लागू नहीं किया जाएगा. कॉम्बैट विंग वो विंग होता है, जो युद्ध के दौरान फ्रंटफुट पर होता है. सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि महिलाओं के लिए स्थाई कमीशन का फैसला कॉम्बैट विंग में लागू नहीं किया जाएगा.

जम्मू कश्मीर के पुलवामा में एक आतंकवादी ढेर, जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर चल रहा है। पुलवामा के गूसू इलाके में सुरक्षाबलों को आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली। इसके बाद स्थानीय पुलिस और सुरक्षाबल के जवानों ने संयुक्त ऑपरेशन के तहत आतंकियों को घेर लिया। एनकाउंटर में एक आतंकवादी को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। वहीं आतंकियों की गोलीबारी में एक जवान शहीद हो गया। पुलवामा में एकाउंटर की जम्मू-कश्मीर पुलिस के अधिकारियों ने भी पुष्टि की है। अधिकारियों ने बताया कि पुलवामा के गूसू एरिया में 3-4 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर थी। इसके बाद सुरक्षाबलों और पुलिस की संयुक्त टीम ने आतंकियों की घेराबंदी की। बौखलाए दहशतगर्दों ने जवानों पर फायरिंग भी की। जवाबी कार्रवाई में एक आतंकवादी की मौत हुई है। एनकाउंटर के दौरान एक पुलिसकर्मी और सेना का एक जवान घायल हो गया। घायल जवान की मौत हो गई। वहीं पुलिसकर्मी की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एनकाउंटर अभी जारी है। जवानों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। यहां दो-तीन आतंकियों के छिपे होने की संभावना है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आतंकवादी संभावित रूप से जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य हो सकते हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बीआरओ के साथ की समीक्षा

नई दिल्ली । चीन की बेचैनी और आपत्ति के बावजूद भारत सीमा पर सड़कों का काम तेजी से निपटाने में जुटा हुआ है। बॉर्डर रोड आर्गेनाइजेशन (बीआरओ) ने कहा है कि लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) और लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर चल रहे प्रॉजेक्ट्स को हर हाल में समय पर पूरा किया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को साउथ ब्लॉक में इन प्रॉजेक्ट्स की समीक्षा की। बीआरओ चीफ ले. जनरल हरपाल सिंह और दूसरे सीनियर अधिकारियों ने रक्षामंत्री को प्रॉजेक्ट्स की प्रगति के बारे में बताया। एक घंटे

से अधिक समय तक चली बैठक में बीआरओ चीफ ले. जनरल हरपाल सिंह ने रक्षामंत्री राजनाथ हिंस को चीन और पाकिस्तान सीमा पर बन रही सड़कों का ब्योरा दिया। बीआरओ चीफ ने रक्षामंत्री को बताया कि एलएसी और एलओसी पर प्रॉजेक्ट्स को पूरा करने के लिए कोई प्रयास नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि रक्षा, गृह और सड़क परिवहन मंत्रालय एक साथ मिलकर सभी प्रॉजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि भारत एलएसी पर तेजी से सड़कों और इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है, इसी वजह से चिढ़े चीन ने अपने सैनिकों को पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भेज दिया था। लेकिन सेना ने सड़कों और पुल का निर्माण जारी रखा है। चीन पहले ही सीमा के नजदीक सड़कों का जाल बिछा चुका है, लेकिन एलएसी के इस पार चल रहे प्रॉजेक्ट्स से उसे दिक्कत है।

अमेरिका ने दलाई लामा को शरण देने के लिए भारत को कहा शुक्रिया

वाशिंगटन। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा का सोमवार को 85वां जन्मदिन था. इस मौके पर उन्हें दुनियाभर से बधाई संदेश मिले. अमेरिका ने भी दलाई लामा को जन्मदिन की बधाई दी साथ ही 1959 से दलाई लामा को शरण देने के लिए भारत का शुक्रिया अदा भी किया. चीन द्वारा तिब्बत में दमन शुरू करने के बाद 1959 में दलाई लामा अपने समर्थकों के साथ भारत आ गए थे. उस समय भारत ने पौने दो लाख तिब्बतियों को शरण दी थी. दलाई लामा हिमाचल के धर्मशाला से अपनी निर्वासित सरकार चला रहे हैं.

पत्रकार ने एम्स से कूदकर की आत्महत्या

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस के मरीज एक पत्रकार ने सोमवार दोपहर एम्स अस्पताल की इमारत की चौथी मंजिल से कथित रूप से कूदकर आत्महत्या कर ली। पत्रकार दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर में कोविड??-19 का इलाज करा रहा था। अधिकारियों की माने तो पत्रकार एक हिंदी दैनिक अखबार में काम करता था। पत्रकार की पहचान तरुण सिसोदिया के रूप में की गई है। वह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ भजनपुरा में रहता था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) देवेंद्र आर्य ने बताया कि यह घटना दोपहर लगभग दो बजे हुई, जिसके बाद उस व्यक्ति को अस्पताल के आईसीयू में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे बचाने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि 24 जून को संक्रमण की पुष्टि होने के बाद पत्रकार को ट्रामा सेंटर के कोविड??-19 वार्ड में भर्ती कराया गया था। एम्स के एक सूत्र ने कहा, उन्हें 24 जून को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था और बाद में 'हाई डिपेंडेंसी यूनिट' में भेज दिया गया था। डॉक्टर ने कहा कि हाल ही में उनकी ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी हुई थी। इस घटना के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने ट्वीट

किया, ''मैंने एम्स निदेशक को इस मामले की आधिकारिक जांच तत्काल शुरू करने के आदेश दिए हैं, जिसके बाद एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई और वह 48 घंटे में रिपोर्ट जमा करेगी।'' उन्होंने कहा, '' मैं मीडिया समुदाय के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जो अपने सहकर्मी की त्रासदीपूर्ण मौत से हिल गया है।'' एम्स ने इस घटना पर एक बयान जारी किया है जिसमें कहा गया कि पत्रकार को एम्स के जयप्रकाश नारायण अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में 24 जून को कोविड-19 की वजह से भर्ती कराया गया था।

उसकी हालत में सुधार हो रहा था और उसे आईसीयू से सामान्य वार्ड में स्थानांतरित किये जाने की तैयारी थी। पूर्व में इसी साल मार्च में यहां जी बी पंत अस्पताल में उसके दिमाग के ट्यूमर का ऑपरेशन हुआ था।

डीजल के दाम में फिर हुई बढ़ोत्तरी, पेट्रोल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। कुछ दिनों की राहत के बार तेल वितरण कंपनियों ने डीजल के दाम में फिर बढ़ोत्तरी कर दी है. हालांकि आम आदमी के लिये राहत की बात है कि पेट्रोल के दाम नहीं बढ़ाये गये हैं. वहीं डीजल के दाम बढ़ाये जाने से मंहगाई में भी बढ़ोत्तरी होने की संभावना है. जानकारी के अनुसार डीजल के दाम सात दिन के विराम के बाद मंगलवार को फिर बढ़ गये जबकि पेट्रोल की कीमत लगातार आठवें दिन स्थिर रही. तेल वितरण कंपनियों के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल की कीमत आज 80.43 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही. यह 27

अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है. वहीं डीजल का मूल्य 25 पैसे बढ़कर 80.78 रुपये प्रति लीटर के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है. बताया जा रहा है कि कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत क्रमशः 82.10 रुपये, 87.19 रुपये और 83.63 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही.

यूपी में अपराधी बेलगाम, यूपी सीएम सिर्फ आंकड़ों पर पर्दा डाल रहे : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेसनेत्री प्रियंका गांधी वाड्रा लगातार यूपी की योगी सरकार पर कानून व्यवस्था के मुद्दे पर हमलावर हैं। मंगलवार को एक बार फिर उन्होंने कानून व्यवस्था के मसले पर प्रदेश सरकार को घेरा। प्रियंका ने आरोप लगाया कि यूपी में अपराधी बेलगाम हैं और सीएम सिर्फ आंकड़ों पर पर्दा डाल रहे हैं। प्रियंका गांधी ने लिखा, 'देश में हत्याओं के आंकड़ें देखें तो यूपी पिछले 3 सालों से लगातार टॉप पर रहा है। हर दिन औसतन 12 हत्या के मामले आते हैं। 2016-2018 के बीच में बच्चों पर होने वाले अपराध यूपी में 24 फीसदी बढ़ गए। यूपी के गृह विभाग और सीएम ने इन आंकड़ों पर पर्दा डालने के अलावा किया ही क्या है?' कांग्रेस नेता ने आगे लिखा, 'आज उसका नतीजा है कि यूपी में अपराधी बेलगाम हैं। उनको सत्ता

का संरक्षण है, कानून व्यवस्था उनके सामने नतमस्तक है। कीमत हमारे कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी व जवान चुका रहे हैं।' गौरतलब है कि कानपुर में शहीद हुए आठ पुलिसकर्मियों के मामले में प्रियंका गांधी लगातार आक्रामक हैं। प्रियंका की ओर से लगातार यूपी के कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। बीते दिनों से वह दलितों, महिलाओं के खिलाफ प्रदेश में हुए उत्पीड़न पर सवाल खड़े कर रही हैं। प्रियंका की ओर से ट्विटर पर चार्ट साझा कर आंकड़ों के जरिए योगी सरकार को घेरा जा रहा है।

शहीदों की स्मृति,सम्मान में क्षत्रिय महासभा द्वारा कार्यक्रम आयोजित

अमित शर्मा रिपोर्टर

ग्वालियर। आदरणीय दादा, राष्ट्रीय महासचिव, श्री अशोक सिंह भदौरिया जी के मार्ग दर्शन से, प्रदेशाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राजावत के नेतृत्व में एक शाम, शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया संगठन के प्रदेश संगठन मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह परमार जी का संकल्प था कि 50,000/- रूपये की राशि एक शहीद सैनिक के परिवार को समर्पित करना है, भाई धर्मेन्द्र परमार के इस संकल्प को आज इस कार्यक्रम के द्वारा पूर्ण किया गया भिंड जिले के अतरसुमा गांव के शहीद सैनिक स्व. जितेंद्र सिंह कुशवाह के पिताजी का शाल, श्रीफल, द्वारा सम्मान करके संगठन द्वारा उनको 51000/- रूपये का चैक समर्पित किया गया दो मिनिट का मौन धारण करके अभी हाल में, चीन सीमा पर शहीद हुए सैनिक एवं कानपुर में शहीद हुए 08 पुलिसकर्मियों की स्मृति में परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अशोक सिंह भदौरिया जी द्वारा की गई मुख्य अतिथि शहीद सैनिक के पिताजी श्री रामवीर सिंह कुशवाह व परिजन रहे विशिष्ट अतिथि श्री विश्वनाथ सिंह सिकरवार जी, श्री मानसिंह चौहान साहब रहे आज के इस कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रवक्ता वेदप्रकाश सिंह राजावत द्वारा किया गया स्वल्पाहार की व्यवस्था प्रांतीय प्रमुख महासचिव श्री योगेन्द्र सिंह कुशवाह जी द्वारा की गई ,कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष श्री अरविंद सिंह सिकरवार जी द्वारा सभी आगंतुकों को आभार व्यक्त किया गया कार्यक्रम की सफलता में सभी कर्मठ पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा,मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष श्री हरिसिंह सिकरवार जी प्रदेश महासचिव श्री शैलेष सिंह कुशवाह प्रदेश महासचिव अरविंद सिंह सेंगर जी, प्रदेश मंत्री महेश सिंह तोमर जी, संभागीय संयोजक (महिला विंग) श्रीमती नीतू तोमर जी, जिलाध्यक्ष पंकज सिंह तोमर जी*, *बृजेश भदौरिया, देशराज भदौरिया, विकास सिंह कुशवाह, सतेन्द्र सिंह कुशवाह, चंबल संभागीय अध्यक्ष श्री विपिन सिंह सिकरवार जी,का विशेष सहयोग मिला... पुष्प राजसिंह सिकरवार, किशन तोमर, नरेश सिकरवार जी, नीटू राजावत युवा जिला प्रभारी भिंड, रामवरन चौहान व अन्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

चम्बल एक्सप्रेस-वे के लिए 781 करोड़ स्वीकृत

अनिल पाराशर

भिंड 7 भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष अटेर विधायक कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदोरिया एवं पार्टी जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा चंबल एक्सप्रेस-वे के बनने से प्रदेश के बीहड़ एवं पिछड़े क्षेत्र को औद्योगिक सेक्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे इस प्रोजेक्ट को %चम्बल एक्सप्रेस-वे% नहीं %चम्बल प्रोग्रेस-वे% के रूप में देखते हैं जिसके लिए 781 करोड़ रुपए स्वीकृत कर चंबल के विकास को अमलीय जामा पहनाया है जिसके लिए भाजपा इकाई उनका आभार व्यक्त करती है 7भाजपा नेताओं ने कहा कि यह सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसमें भारतमाला के अंतर्गत मात्र 50 प्रतिशत भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराने का प्रावधान है। मध्यप्रदेश सरकार इस ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 421 करोड़ की 100 प्रतिशत भूमि निःशुल्क उपलब्ध करा रही है। इसके अलावा प्रदेश सरकार आर्थिक सहयोग के रूप में मिट्टी एवं मुरम 330 करोड़ की रायल्टी के रूप में प्रदान करेगा और वन भूमि की अनुमतियों पर होने वाले व्यय के रूप में 30 करोड़ का व्यय भी स्वयं वहन करेगा। इस प्रकार राज्य शासन 781 करोड़ का सहयोग प्रदान करेगा।

औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित होगा चम्बल

प्रदेश कैबिनेट मंत्री एवं पार्टी जिलाध्यक्ष ने बताया कि एक्सप्रेस वे प्रदेश में 309 किलोमीटर लंबा होगा। यह श्योपुर, मुरैना एवं भिण्ड से होते हुए राजस्थान एवं उत्तरप्रदेश की सीमाओं को जोड़ेगा। यह मार्ग भिण्ड में गोल्डन क्वाट्रिलेट्रल (आगरा-कानपुर) मार्ग, मुरैना में नार्थ-साउथ कॉरीडोर एवं राजस्थान में दिल्ली मुम्बई कॉरीडोर से जोड़ा जायेगा। आवागमन का मार्ग सहज एवं सुविधाजनक होने से क्षेत्र को औद्योगिक निवेश प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा आर्थिक/औद्योगिक विकास के लिए रक्षा उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, भारी उद्योग, वेयर हाउसिंग, लॉजिस्टिक एवं ट्रांसपोर्ट उद्योग के रूप में विकसित किया जाएगा। केन्द्रीय ग्रामीण विकास, पंचायती राज और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि इस प्रोजेक्ट की शुरुआत मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्ष 2017 में भी की थी। एक्सप्रेस-वे के बनने से इस पिछड़े क्षेत्र के विकास में बहुत मदद मिलेगी। अरविंद भदोरिया ने चंबल प्रोग्रेस वे के लिए मुख्यमंत्री शिवराज, केंद्रीय मंत्री गड़करी एवं नरेंद्र तोमर के प्रति माना आभार भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद भदोरिया ने मुख्यमंत्री जी का स्टेट हेंगर पर आत्मीय स्वागत किया 7 साथ में म.प्र. शासन में मंत्री श्री ओ पी एस भदौरिया जी उपस्थित रहे । माननीय मुख्यमंत्री जी की मेहनत से चम्बल ग्वालियर संभाग को चम्बल प्रोग्रेस वे की सौगात मिली है जिसके लिए माननीय केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी का बहुत बहुत आभार।आभार व्यक्त करने वालों सांसद श्रीमती संध्या राय प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्यों में केशव सिंह भदोरिया अवधेश सिंह कुशवाहा एडवोकेट वीरेंद्र सिंह राणा संजीव का घर कोक सिंह नरवरिया रविसेन जैन वरिष्ठ नेता मायाराम शर्मा एडवोकेट जिलाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा हाजीपुर विधायक वरिष्ठ नेता रसाल सिंह मुन्ना सिंह भदोरिया मुकेश चतुर्वेदी राकेशशुक्ला रणवीर यादव प्रमुख हैं 7जिला उपाध्यक्ष में भरत शर्मा गुरदेव सिंह नरवरिया श्रीमती राजकुमारी जैन अमित दुबे ऊषा नगरिया जिला महामंत्री सत्येंद्र सिंह भदोरिया सुंदर पाल सिंह कुशवाह महेश्वरी जाटव प्रमुख हैं ।

चम्बल में यशगान यात्रा के अन्तगर्त वृक्ष मित्र अभियान में अम्बाह पोरसा के शिक्षको द्वारा सराहनीय पहल...

राधा तोमर अम्बाह?

पोरसा। आज दिनांक 06/07/2020 को चम्बल यशगान यात्रा के अंतर्गत वृक्ष मित्र अभियान के आठवें दिवस में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पोरसा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजौधा, शा.हाई.स्कूल रैपुरा ,शा. हाई.स्कूल ओरेठी,शा.उ.मा.वि.कन्या पोरसा,शा. बालक मा.वि.क्रमांक2, शा.प्रा.वि. पटेल का पुरा में मुख्य अतिथि रामजी लाल मोर्य वि.ख.शिक्षा अधिकारी पोरसा,राजेश सिंह तोमर प्राचार्य शा. हाई.स्कूल रैपुरा, भँवर सिंह तोमर बी ए सी, पूरन व्यास बी ए सी ,दिलीप सिंह तोमर सी.ए.सी,मोहन बाबू वर्मा सी.ए.सी., रामविलास शर्मा सी ए सी,राकेश शर्मा तहसील अध्यक्ष आजाद अध्यापक संघ पोरसा, विहारी सिंह तोमर ब्लाक अध्यक्ष शिक्षक संघ पोरसा,ब्रजेश उपाध्याय जिला अध्यक्ष समग्र

शिक्षक संघ जिला मुरैना के कर कमलों द्वारा औषधीय पौधा नीम, कदम्ब अमरूद गुलमोहर जामुन, सहजन , सीताफल पौधों का रोपड़ किया गया। उनकी सुरक्षा हेतु प्राचार्य महोदय रैपुरा एवं श्री श्याम सुंदर जी शर्मा,मा.वि. बालक पोरसा द्वारा ट्री गार्ड लगाया जिनमें विद्यालयों में वृक्ष मित्रों ने अपने अपने गांव में वृक्षों की देखरेख की जिम्मेदारी ली , वृक्ष मित्र राजेन्द्र कुशवाह, मनोज शाक्य,चन्द्र शेखर सिंह ,नाथू सिंह तोमर,रामप्यारी एवं राय सिंह ने ली नीलेश शर्मा के द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों के हाथों को सैनिटाइज कराया गया और सभी को एक-एक वृक्ष लगाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन चम्बल यशगान यात्रा के संयोजक नीलेश शर्मा के द्वारा किया गया अतिथि महोदय का स्वागत वृक्ष मित्र अभियान के सह प्रभारी प्रदीप चौहान के द्वारा किया गया और आभार निरंजन सिंह तोमर के द्वारा माना। उपस्थित सदस्य मंजू तोमर,माँगीलाल अग्रवाल, संजय चाँदिल,श्याम सुन्दर शर्मा, हीरालाल जाटव ,रतन श्री ओझा, नीलेश शर्मा, होतम त्यागी अंगद सिंह शाक्य,अजय कुमार , प्रदीप चौहान ,निरंजन सिंह तोमर कार्यक्रम में खुरपी,फावड़ा और सभी सदस्यों के हाथों को सेनेटाइज किया एवं सोशल डिस्टेंस का पालन किया गया। उक्त जानकारी यशगान यात्रा के संयोजक नीलेश शर्मा के द्वारा दी गयी।

आमजन से मुरैना पुलिस की अपील पुलिस को देबे सूचना नाम रखा जाबेगा गुप्त...

रिपोर्टर सुनील तोमर अम्बाह?

मुरैना... माननीय मुख्यमंत्री महोदय मध्य प्रदेश शासन द्वारा तस्करो गुन्डो बढमाशो माफियाओ आसामाजिक तत्वो के बिरूध अभियान चलाया जाकर उनकी धरपकड संम्बधी निर्देश सभी पुलिस अधीक्षको को दिये गये है माननीय मुख्य मंत्री महोदय मध्यप्रदेश शासन के निर्देसानुसार पुलिस अधीक्षक मुरैना अनुराग सुजानियाँ जिले के सभी थाना प्रभारियो को जिले में गुन्डे बढमाश माफिया तस्करो आसामाजिक तत्वो के बिरूध्द कारबाही हेतु चलाया जाकर उनकी धरपकड के निर्देश दिये गये है पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानियाँ अतिरिक्त

पुलिस अधीक्षक को अभियान के संम्बध में नोडल अधिकारी बनाया गया है इस सूचना के माध्यम से आमजन को सूचित किया जाता है कि उन्है किसी प्रकार के गुंन्डो बदमाशो माफियाओ की गतबिधियो के सम्बध मे कोई जानकारी हो अथबा उनसे सम्बधित कोई शिकायत हो तो 7049101040 पर कॉल या बॉटसॉप बगैर किसी भय के पुलिस अधिकारियो को अबगत करबाया जा सकता है सूचना करता का नाम पूर्णता गोपनीय रखा जाबेगा...

ग्राम पंचायत गरीब वर्ग के परिवार के साथ हर समय खड़ी

पाली। कोविड-19 की महामारी को देखकर ग्राम पंचायत बानिया बास के सरपंच सीता घिसूलाल ने आज बताया कि विश्वव्यापी महामारी को देखकर वर्तमान समय में ग्राम पंचायत द्वारा संपूर्ण आमजन को सोशल डिस्टेंस के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिया जा रहा है तथा प्रवासी राज्यों से आए हुए हर परिवार का तुरंत प्रभाव से जॉब कार्ड बनवा कर उन्हें नरेगा योजना के अंतर्गत रोजगार दिया जा रहा सभी नरेगा श्रमिकों को प्रतिदिन विश्वव्यापी महामारी को रोकने के लिए सुझाव प्रेरित किए जा रहे सरपंच सीता ने बताया कि हमें जिस प्रकार संपूर्ण ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने सम्मान दिया उसी प्रकार सम्मान के साथ में विकास के कार्यों को आगे बढ़ आओगे आज सरपंच द्वारा बताया गया कि कोविड-19 के चलते ग्राम पंचायत द्वारा संपूर्ण प्रयास किए गए जिसकी बदौलत आज ग्राम पंचायत के संपूर्ण गांव विश्वव्यापी महामारी के दौरान सुरक्षित नजर आ रहे लेकिन हमें स्थानीय जनता का पूरा सहयोग मिला और जनता का सहयोग से हम सब स्वस्थ जीवन की ओर आगे बढ़ रहे हैं आगामी मानसून की स्थिति को देखकर सरपंच सीता ने बताया कि जलभराव का निरीक्षण करके जल्द क्षमता कम करने का तुरंत प्रभाव से ग्राम पंचायत द्वारा अभियान चलाया जाएगा जिसमें ग्रामीणों को तकलीफ ना हो वर्तमान समय में ग्राम पंचायत के सभी प्रशासनिक अधिकारी एवं ग्राम पंचायत के वार्ड पंच विकास अधिकारी इन सभी का महत्वपूर्ण योगदान रहा और हमने संपूर्ण ग्राम वासियों से अपील की उन्होंने बताया कि आप हमारा और सहयोग करें हमें अपने ग्राम पंचायत को ही सुरक्षित नहीं रखना हमें अपने संपूर्ण भारतवर्ष को सुरक्षित रखना इस दौरान आप सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना के अनुसार कार्य करें और जनता को जागरूक करें जिसमें विश्वव्यापी महामारी का कोई बचाव नहीं है इसका महत्वपूर्ण उपचार सबसे सरल इलाज सामाजिक दूरी बनाए रखें और नियमित रूप से मास्क का उपयोग करें हमें भारत को विश्व की महामारी में विजयपथ के और आगे बढ़ाना यह हमारा सभी को संकल्प के साथ हमें आगे बढ़ना होगा और भारत को कोराना मुक्त भारत को सफल बनाना

राज्य मंत्री गिर्राज डण्डोतिया आज मुरैना में

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन के राज्य मंत्री श्री गिर्राज डण्डोतिया एक दिवसीय प्रवास पर 8 जुलाई को प्रातः 8 बजे मुरैना पहुंचेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यमंत्री श्री डण्डोतिया सुबह 9 बजे ग्राम लालौर आगमन गुर्ज वाले बाबा मंदिर में दर्शन, 9.30 बजे ग्राम बड़ोखर आगमन एवं हनुमान जी मंदिर में दर्शन, 9.45 बजे ग्राम मुड़ियाखेरा, 10 बजे ग्राम गंजरामपुर, 10.15 बजे ग्राम जींगनी पहुंचकर कायकर्ताओं से चर्चा करेंगे। राज्य मंत्री श्री डण्डोतिया प्रातः 10.30 ग्राम खेरा में नलजल योजनान्तर्गत पानी की टंकी का भूमिपूजन एवं कार्यकर्ताओं से सामान्य भेंट करेंगे। राज्य मंत्री श्री डण्डोतिया प्रातः' 11 बजे चोरपुरा में बौद्ध मंदिर दर्शन, 11.15 बजे ग्राम बड़ागांव में कार्यकर्ताओं से सामान्य भेंट, 11.30 बजे ग्राम घुसागवां आगमन, 11.45 बजे ग्राम खुर्द आगमन, 12 बजे रपट का पुरा आगमन, 12.15 बजे दिमनी आगमन एवं कार्यकर्ताओं से सामान्य भेंट, 12.30 बजे ग्राम रतीराम पुरा, 12.45 बजे उमरिया का पुरा, 1 बजे रानपुर, 1.35 बजे गोठ, 1.30 बजे पाय का पुरा, 1.45 बजे बरेह, 2 बजे बड़फरा, 2.15 बजे अम्बाह कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे।

पुलिस अधीक्षक कंचन सिंह ने ग्राम अचलपुर मैं हुआ हत्याकांड की निष्पक्ष जांच के दीया आदेश

अनिल पाराशर, पुष्पांजलि टुडे

भिंड। आज ग्राम अचलपुरा की निवासी पीड़ित महिला प्राथिया वेवा प्रभा देवी ने एक शिकायती पत्र भिंड पुलिस अधीक्षक महोदय को सौपा गया,जिसमें पीड़ित प्रार्थिया ने बताया कि दिनांक 21.06.2020 को ग्राम अचलपुरा में आपसी विवाद के चलते गोधन यादव की लाइसेंसी बंदूक से उनके पुत्र गुड्डू यादव ने अपने पिता के कहने पर गोली मारकर मुझ प्रार्थिया के पति जागेश यादव की हत्या कर दी गई थी, प्रभा देवी ने आगे बताया उक्त घटना की शिकायत मुझ प्रार्थिया के परिजन जेठ के लड़के रिंकू यादव के द्वारा थाना मिहोना पुलिस को जाकर की गई थी, लेकिन थाना मिहोना पुलिस ने मुझ प्रार्थिया के पति जागेश यादव को रामवीर यादव द्वारा गोली मारना दर्शाया गया है, जबकि मुझ प्रार्थिया के पति जागेश यादव को गुड्डू यादव पुत्र गोधन यादव द्वारा अपने पिता की बंदूक से गोली मारकर हत्या की गई,, उन्होंने आगे बताया थाना मिहोना पुलिस द्वारा सम्पूर्ण कहानी को तोड़ मरोड़कर आरोपी गढ़ के पक्ष में हितबद्ध होकर सम्पूर्ण घटना को नही लिखा गया, ओर ना ही सभी आरोपी गड़ो के नाम लेख करते हुए मोके पर उपस्थित साक्षी गड़ो के नाम लेख किये गए, पीड़ित प्रभा देवी ने आगे बताया कि मेरे पति जागेश यादव की हत्या ,गोधन यादव के कहने पर उनकी ही लायसेंसी बंदूक से उनके ही पुत्र गुड्डू यादव ने की थी ,मुझ प्रार्थिया के बच्चे कन्हैया ओर मेरी मवेटी उक्त घटना की मुख्य गवाह है,लेकिन मिहोना पुलिस ने राजनेतिक दबाब के चलते गलत तरीके से एफ आई आर की गई है,,तथा गोधन यादव और उनके उनके घर बालो को बचाने का काम किया गया है, पीड़ित महिला प्रभा देवी ने बताया कि पहले मेरे पति जागेश की गोली मारकर हत्या की गई और उसके बाद गोधन यादव और उनके पुत्र रामावीर और गुड्डू एवम उनके साथ अन्य दो अज्ञात लोगो द्वरा मेरे परिवारमजनों पर भी जानलेवा हमला किया गया ,मेरे परिजनों द्वारा अपना वचाव किया गया, जिसमे गोधन यादव के बड़े लड़के के सिर में झगड़े के दौरान कुल्हाड़ी लगने से उसकी भी मृत्यु हो गयी थी,जिस पर मिहोना पुलिस द्वारा मेरे पूरे परिवार के लोगो के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया और वंही मेरे परिजनों के द्वारा की गई शिकायत पर भी गोधन यादव और उनके परिजनों को बचाने का काम किया गया,,, उन्होंने आगे बताया कि मेरे परिजनो के द्वारा दिये गए कथन के बाद भी मिहोना पुलिस द्वारा गोधन यादव का नाम एफ आई आर में अंकित नही किया गया,, जिसकी निष्पक्ष जांच हेतु एक शिकायती आवेदन पत्र पीड़ित महिला द्वारा भिंड पुलिस अधीक्षक ,ओर डी आई जी चंबल रेंज ,एवम आई जीमहोदय ग्वालियर चंबल रेंज तथा डी जी पी महोदय ओर मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री महोदय को भेजे गए हैं,,, जिस पर भिंड अति. पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कंचन सिंह जी ने उक्त केश में जांच के आदेश जारी किए हैं, ओरग्राम अचलपुरा में हुए दोहरे हत्याकांड की जांच लहार एस डी ओ पी दिनेश सिंह वैश्य को सौपी गयी है,,

लहार एस डी ओ पी दिनेश सिंह वैश्य करेंगे जांच

थोक सब्जी मंडी 8 जुलाई से प्रारंभ होगी, जिसमें मात्र 45 थोक व्यापारी कार्य प्रारंभ करेंगे

अब गली-गली व मोहल्लों में हाथ ठेलों के माध्यम से ही सब्जी की विक्रय होगी , हाथ ठेला व्यापारी थोक मंडी में प्रातः 7 से 9 बजे तक ही सब्जी क्रय कर सकेंगे

मुरैना। मुरैना शहर में कोरोना वायरस के बढते मरीजों को ध्यान में रखते हुये कलेक्टर श्रीमती प्रियंकादास ने थोक सब्जी मंडी सहित निगम की सीमा में कर्फ्यू लगाया गया था जिसमें अब 8 जुलाई से थोक मंडी खोलने का निर्णय विभिन्न शर्तों के अनुरूप लिया गया है। जिसमें थोक मंडी में लायसेंसधारी मात्र 45 थोक व्यापारी निगम द्वारा आईडी प्राप्त करके ही सब्जी का विक्रय कर सकेंगे, किंतु ये व्यापारी प्रातः 5 बजे से 9 बजे तक ही मंडी में रूक सकेंगे। मंडी में पहुंचने से पूर्व दोनों गेटों पर चिकित्सकों की टीम तैनात रहेगी। मंडी में आने वाले ट्रको के ड्रायवर एवं थोक 45 व्यापारियों की थर्मल स्क्रीनिंग प्रतिदिन करके सब्जी बेचने की अनुमति प्रदान करेगी। इसके बाद शहर के एक हजार 45 हाथ ठेला चालक प्रातः 7 बजे से प्रातः 9 बजे तक सब्जी हाथ ठेला के लिये खरीदेंगे और अपने अपने निर्धारित वार्डो में विक्रय करेंगे, जिस वार्डो के लिए आईडी बनाया उसी वार्ड में सब्जी बेच सकेंगे । मंडी में प्रवेश करने से पूर्व प्रत्येक हाथ ठेला वाले की थर्मल स्क्रीनिंग चिकित्सक टीम द्वारा की जायेगी। थोक सब्जी मंडी में किसी भी व्यक्ति द्वारा खेरीज सब्जी विक्रय करने की अनुमति नहीं होगी । अगर किसी भी व्यापारी ने फुटकर सब्जी किसी व्यक्ति को बेची तो उस व्यापारी के खिलाफएफआईआर दर्ज होगी। ये निर्देश कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रियंकादास ने थोक सब्जी मंडी व्यापारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक के दौरान दिये। बैठक के उपरांत उन्होंने थोक सब्जी मंडी का मौका मुआयना किया और आवश्यक सुरक्षा प्रबंध करने के निर्देश नगर निगम कमिश्नर एवं एसडीएम को दिये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया एसडीएम सबलगढ एवं प्रभारी नगर निगम कमिश्नर सुश्री अंकिता धाकरे, एसडीएम मुरैना श्री आरएस बाकना, सीएसपी श्री सुधीर कुशवाह सहित अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती प्रियंकादास ने कहा कि जिले में कोरोना की चेन को तोडना है, इसलिये हम सभी लोगों को एतिहात बरतने के साथ-साथ लोगों को सब्जी उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मुरैना शहर के अंदर दत्तपुरा में खेरीज सब्जी मंडी पूर्णतः बंद रहेगी, अगर कोई भी फुटकर सब्जी बेचते पाया गया तो उसके खिलाफ सिटी कोतवाली द्वारा कायमी की जायेगी। उन्होंने कहा कि थोक मंडी में प्रतिदिन 20 से 25 ट्रक ड्रायवर थोक में सब्जी लायेंगे। ये ट्रक अनाज मंडी की तरफसे प्रातः 5 से 7 बजे तक ही प्रवेश करेंगे। इनकी थर्मल स्क्रीनिंग होने के बाद ही मंडी में पहुंचेंगे। अगर किसी को बुखार या टेम्परेचर आता है तो उसे मंडी में प्रवेश नहीं दिया जाये। उन्होंने कहा कि थोक व्यापारी प्रतिदिन बिना टेस्टिंग के थोक मंडी में प्रवेश नहीं करेंगे और ट्रक वाले व्यापारी प्रातः 5 से 7 बजे थोक सब्जी मंडी से बाहर हो जायेंगे। इसके बाद कोई भी ट्रक चालक थोक मंडी में दिखना नहीं चाहिये।

रोगी को सड़क पर छोड़ जाने की घटना अमानवीय और निंदनीय

खण्डवा में मेडिकल स्टोर्स से दवा लेने वाले नागरिकों से मिली पॉजीटिव रोगियों की जानकारी, इस पद्धति को अन्य जिले भी अपनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना मरीज को अस्पताल के बहार छोड़ने की घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होंने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए घटना की जाँच के आदेश दिये है। उन्होंने कहा कि यह घटना अमानवीय और निंदनीय है। घटना के दोषी लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में गत साढ़े तीन माह से कोरोना पर नियंत्रण के कार्य के साथ ही एक-एक रोगी का उपचार सर्वोच्च प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य विभाग का अमला सजग है। कोविड केयर सेंटर सुचारु रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रतिदिन जिले से लेकर राज्य स्तर की गहन समीक्षा की जा रही है। इसी स्थिति में किसी रोगी को गंभीर स्थिति में अस्पताल प्रबंधन, एम्बुलेंस संचालक या किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा अपने हाल पर छोड़ दिए जाने की घटना बहुत गंभीर है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस घटना के दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संदिग्ध कोरोना रोगियों की शीघ्र पहचान और कान्टेक्ट ट्रेसिंग कार्य

पूरी गंभीरता से जारी रहे। किल कोरोना अभियान में घर-घर पहुँचकर सर्वे दल सेम्पलिंग का कार्य बढ़ाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अधिक से अधिक सैंपल लिए जाने से वायरस के नियंत्रण का कार्य आसान होगा। सर्दी-खांसी जुकाम के लक्षणों वाले व्यक्तियों में जो गंभीर दिखायी दें उनका सेम्पल लेकर अविलंब उपचार प्रारंभ करें। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोविड -19 नियंत्रण प्रयासों की जिलेवार जानकारी प्राप्त की। खण्डवा जिले की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खण्डवा मेडिकल कॉलेज द्वारा टेस्टिंग और उपचार कार्य की जानकारी ली। खण्डवा मेडिकल कॉलेज में इस समय आईसीयू में 6 रोगी भर्ती हैं। कुल 41 हजार लोगों का स्वास्थ्य सर्वे किया गया। कलेक्टर खण्डवा ने बताया कि जिले में किल-कोरोना अभियान के अंतर्गत डोर-टू-डोर सर्वे के कार्य के अलावा मेडिकल स्टोर के माध्यम से सर्दी-खांसी और बुखार के रोगियों को चिन्हित कर संबंधित परिवारों की स्वास्थ्य जांच करवाई गई है। इसके अच्छे परिणाम प्राप्त हुए। जिन 510 लोगों की स्वास्थ्य जांच हुई उनमें से 16 पॉजीटिव रोगी पाए गए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खण्डवा में अपनाई गई इस पद्धति को जारी रखने के लिए कहा। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस ने कोरोना वायरस की मॉनीटरिंग में खण्डवा जिले में हुए नवाचार को अन्य जिलों में अपनाये जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि जिस तरह भोपाल में प्रारंभ में बाहर से आए व्यक्तियों के आगमन के बाद आवश्यक एहतियात बरती गई और कांटेक्ट ट्रेसिंग का कार्य नियमित हुआ, उसे अभी भी अमल में लाना चाहिए। खण्डवा जिले में अब तक 7105 सैंपल लिए गए हैं। कुल 358 पॉजीटिव केस हैं, जिनमें 64 एक्टिव केस हैं। खरगौन जिले की समीक्षा में बताया गया कि खरगोन में उपलब्ध बिस्तर क्षमता का 12 प्रतिशत ही उपयोग में आ रहा है। जिले में 3268 व्यक्ति होम क्वारेंटाइन किए गए हैं। जिले में 83 कंटेन्मेंट क्षेत्र बनाये गए हैं। कुल 358 सर्वे दल कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में 16 फीवर क्लीनिक संचालित हैं। सर्वे दल को 103 कोरोना के संदिग्ध रोगी मिले हैं। इसके साथ ही 7 मलेरिया और 1 डेंगू रोगी की जानकारी भी सामने आई है। कांटेक्ट ट्रेसिंग का कार्य किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने प्रत्येक पॉजीटिव रोगी की कांटेक्ट ट्रेसिंग करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर खरगोन को निर्देश दिए कि खण्डवा में किए गए कार्य की तर्ज पर रोगियों को लक्षण के आधार पर चिन्हित करने का कार्य किया जाए। समीक्षा बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में इस पखवाड़े प्रति मिलियन 1516 टेस्ट किए जा रहे हैं। प्रदेश में अप्रैल माह में यह संख्या मात्र 26 थी। हर पखवाड़े यह संख्या बढ़कर क्रमशः 222, 466, 816, 878, 1204 हुई। बीते पखवाड़े अर्थात 22 जून से 7 जुलाई के मध्य हुए टेस्ट में यह प्रति मिलियन टेस्ट की संख्या 1500 को पार कर गई है।

ना मैं महाराजा, ना मैं टाइगर, ना मैं मामा, मैं तो बस एक जनसेवक : कमलनाथ

धार/भोपाल। आज धार जिले के बदनावर दौरे के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बदनावर के यात्रा के पहले उज्जैन में भगवान महाँकाल मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश की खुशहाली व कोरोना से मुक्ति के लिये भगवान महाकाल से प्रार्थना की। उसके पश्चात उन्होंने बदनावर पहुँचकर सबसे पहले बाबा बैजनाथ महादेव मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की। बदनावर में कांग्रेसजनो की एक बैठक को सम्बोधित करते हुए कमलनाथ ने कहा कि सबसे पहले मैं 3 जुलाई को भारी बारिश के कारण आपके बीच नहीं आ सका, उसके लिये मैं आप सभी को हुई अव्यवस्था के लिये क्षमा माँगता हूँ। मैं आज आप सभी को हमारी सरकार के 15 माह के कार्यों की जानकारी देना चाहता हूँ। हमने किसानों की ऋण माफी की, कन्याओं के विवाह की राशि को बढ़ाया, 100 रुपये में 100 यूनिट बिजली इंदिरा गृह ज्योति योजना के तहत प्रदान की। मैं ना तो महाराजा हूं, ना ही टाइगर हूं और ना ही

मामा हूं, मैं तो बस एक जनसेवक कमलनाथ हूं। मेरा काम सिर्फ मध्य प्रदेश की जनता की सेवा करना है। इस अवसर पर उन्होंने कर्जमाफी की पूरी विस्तृत जानकारी सभी को दी कि किस प्रकार से हमने चरणबद्ध तरीके से कर्जमाफी की। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि भाजपा कर्जमाफी को लेकर झूठ परोसकर भ्रम फैलाने का कार्य कर रही है। जो भाजपाई आज कर्जमाफी का विरोध कर रहे हैं, हमने उनके कई परिजनो का व उनके रिश्तेदारों का भी कर्ज माफ किया है, इसका हमने समय-समय पर प्रमाण भी दिया है। हम तो जून से तीसरे चरण का भी कर्ज माफ करने जा रहे थे कि एक महाराज रूपी नेता ने प्रदेश की जनता के जनमत का सौदा भाजपा से कर दिया और हमारी लोकप्रिय सरकार को गिरा दिया। हमारी कर्जमाफी की इस योजना को भाजपा सरकार को हर हाल में पूरा करना होगा। जब तक किसानों की कर्जमाफी नहीं होगी, हम चुप नहीं बैठेंगे। आप बताये, मैंने तो माफियाओं से प्रदेश को मुक्त कराया, इसमें मेरी कौन सी गलती थी? मैंने तो प्रदेश की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने का कार्य किया, इसमें मेरी क्या गलती थी? प्रदेश में निवेश लाने का कार्य किया ताकि युवाओं को रोजगार मिल सके, बेरोजगारी दूर हो सके, इसमें मेरी क्या गलती थी? प्रदेश में महिलाओं को सम्मान व सुरक्षा दी, इसमें मेरी क्या गलती थी? मध्यप्रदेश को जिस हालात में शिवराज सिंह चैहान छोड़ कर गए थे, यह किसी से छिपा नहीं है। उनके 15 वर्ष के कार्यों को, झूठी घोषणाओं को हम सभी ने देखा है। 15 महीनों के अंदर होने वाले परिवर्तनों की व्याख्या साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आज जो प्रत्याशी चुनाव लड़ने के लिए आपके समक्ष मैदान में आ रहे हैं वह किस विचारधारा से आएंगे? जिन विधायकों को जनता ने क्षेत्र के विकास के लिये चुना था, वो स्वयं का विकास कर अपने क्षेत्र को गड्ढे में छोड़ गये। यह आपको याद रखना है। ऐसे लोगों को जनता को सबक सिखाना है। ये लोग अब किस मुँह से अपने क्षेत्र की जनता के बीच आएँगे। जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी।

आदिवासी क्षेत्रों में प्राथमिकता से सिंचाई परियोजनाएं बनाएं - जल संसाधन मंत्री

जल-संसाधन मंत्री तुलसी राम सिलावट ने विभागीय परियोजनाओं की समीक्षा की

भोपाल। जल-संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने वल्लभ भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि विभाग की सिंचाई परियोजनाएं इस प्रकार बनाई जाएं, जिनसे संतुलित विकास के लिए आवश्यक जल-संसाधन उपलब्ध रहे। जिन क्षेत्रों में कृषकों को खेती के लिए पानी की सर्वाधिक आवश्यकता है उन क्षेत्रों के साथ विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में भी सिंचाई परियोजनाएं बनाई जाएं। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं से आदिवासियों के खेतों में पानी पहुंचाने का काम प्रमुखता से किया जाए। भविष्य की सिंचाई परियोजनाओं में आदिवासी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भी पिछड़े और पानी की कमी वाले जिलों में सिंचाई परियोजना बनाकर जल्दी से कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। वल्लभ भवन में आयोजित जलसंसाधन विभाग की समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, प्रमुख अभियंता दांडेकर, और सभी संभागों के मुख्य अभियंता उपस्थित थे। बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि वर्षा पूर्व विभाग के सभी डैम, गेट और केनाल की निरीक्षण रिपोर्ट की जांच के लिए कमेटी बनाई जाए। सभी अधिकारी 15 दिनों में परियोजनाओं का निरीक्षण करें और दौरा डायरी भी अद्यतन रखें। अब सभी समीक्षा बैठक संभाग स्तर पर आयोजित की जाएंगी। बैठक में प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा ने बताया कि आगामी वर्ष में प्रदेश में एक लाख 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस वर्ष छोटी बड़ी कुल 100 परियोजनाओं को पूर्ण कर लिया जाएगा। अभी 58 हजार करोड़ की योजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें 28 हजार करोड़ राशि के काम किये जा चुके हैं। बुंदेलखंड क्षेत्र के टीकमगढ़ में निर्माणाधीन परियोजना से लगभग 75 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता निर्मित होगी। बैठक में सभी सिंचाई संभागों की परियोजना की समीक्षा हुई। प्रमुख सचिव ने बताया कि माइक्रो सिंचाई परियोजना सब जगह लागू की जा रही है। पाईप द्वारा खेती के लिए पानी उपलब्ध कराया जाएगा, इससे खेती में पानी की 40 प्रतिशत तक बचत होगी और फसल उत्पादन में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। उद्योग और नगरीय क्षेत्रों में पीने का पानी भी उपलब्ध होगा, जिससे विभाग को रेवेन्यू मिलेगा। बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने विभाग के लंबित अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरण एक माह में निराकरण करने, विभाग की सभी सिंचाई परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने और किसानों को खेती के लिए पानी उपलब्ध कराने की प्राथमिकता को ध्यान में रखकर काम करने के निर्देश दिए।

वर्तमान मानसून में अब तक 2.40 करोड़ पौधों का रोपण

भोपाल। वन विभाग द्वारा वर्तमान मानसून के दौरान प्रदेश में 3 करोड़ 61 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 2 करोड़ 40 लाख पौधों का रोपण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वन महोत्सव पर प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधरोपण की अपील की है। उल्लेखनीय है कि आमजन को वृक्षों की महत्ता से अवगत कराने के उद्देश्य से हर साल जुलाई के प्रथम सप्ताह में वन महोत्सव आयोजित किया जाता है। वृक्षों से प्राप्त होने वाले विभिन्न लाभों के साथ अब जलवायु परिवर्तन में वृक्षारोपण का और अधिक महत्व बढ़ गया है।

भोपाल में मंगलवार को विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा, गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र और पूर्व मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने 20 जुलाई से आरंभ हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र की बैठकों में कोविड-19 से बचाव हेतु सोशल डिस्टेंसिंग एवं आवश्यक प्रोटोकॉल सुनिश्चित किये जाने हेतु सदन की बैठक व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा प्रमुख सचिव ए. पी. सिंह के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए।

लम्बे समय से राशन सामग्री न लेने वालों की समीक्षा करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिए कलेक्टर्स को निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ताओं को जून माह के राशन का वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही लंबे समय से राशन सामग्री न लेने वाले उपभोक्ताओं के नामों की समीक्षा करते हुए नए पात्र उपभोक्ताओं के नाम जोड़ने की कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रालय से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा जिला कलेक्टर्स के साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण की समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कुछ जिलों से उपभोक्ता भंडार द्वारा गड़बड़ी की शिकायतें प्राप्त होती हैं। शिकायतों की स्थिति को समाप्त किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को पूर्व में मार्च, अप्रैल और मई माह का राशन प्रदान किया जा चुका है। कोविड-19 के संकट को देखते हुए सामग्री का अग्रिम प्रदाय भी किया गया। जून माह

के लिए आवंटित खाद्यान्न के शत-प्रतिशत पात्र उपभोक्ताओं को वितरण का कार्य पूरा किया जाए। प्रमुख सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि 88 प्रतिशत खाद्यान्न का वितरण किया जा चुका है। उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए गत दो माह बायोमेट्रिक पद्धति की अनिवार्यता भी समाप्त की गई। उपभोक्ताओं के सर्वेक्षण का कार्य कर लिया गया है। प्रत्येक पात्र उपभोक्ता को खाद्य सामग्री का प्रदाय सुनिश्चित किया जा रहा है। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाडे उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रदेश में उर्वरक और खाद आवश्यकता के अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री से आग्रह किया गया है। श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अतिरिक्त उर्वरक प्राप्त करने के संबंध में यथासमय कार्यवाही पूर्ण करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रमुख सचिव कृषि को इस संबंध में जरूरी फॉलोअप करने के निर्देश दिए। इसी तरह गत वर्ष उपार्जित 6.45 लाख मेट्रिक टन गेहूँ केन्द्रीय पूल में दिए जाने के संदर्भ में मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा किए गए अनुरोध पर केन्द्र सरकार द्वारा राज्य शासन के अधिकारियों से संवाद कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

संपादकीए

काबू में चीन

आखिरकार चीन काबू में आता दिख रहा है। पिछले दो महीने से भी ज्यादा समय तक एलएसी पर तनाव की स्थिति पैदा करने वाली चीनी सेना ने सोमवार को अपने कदम पीछे खींच लिए। चीन की वजह से सीमा पर बीते कुछ हफ्तों से काफी तनाव की स्थिति थी। यहां तक कि 14-15 जून को चीनी सेना की घुसपैठ को रोकने के प्रयास में हुई हिंसक झड़प में हमारे 20 जवान भी शहीद हो गए। चीन की चालबाजियों के बावजूद भारत डटा रहा और लगातार ड्रैगन पर दबाव बनाना जारी रखा। अब उसके कदम पीछे होने को भारत की कूटनीतिक जीत माना जा रहा है। चीन पर दबाव बनाने के लिए भारत ने चौतरफा घेरे बंदी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अचानक लद्दाख पहुंचे और उन्होंने जवानों में जोश भरा। सीडीएस जनरल बिपिन रावत समेत तीनों सेनाओं के प्रमुख भी समय-समय पर जवानों का हौसला बढ़ाते रहे। इसके अलावा भारत ने अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बनाने में कामयाबी हासिल की। इसके अलावा लद्दाख का प्रतिकूल मौसम भी चीन की अकड़ तोडने् में एक अहम हथियार साबित हुआ। भारत और चीन के बीच जब सीमा विवाद शुरू हुआ तो सरकार ने इसका समाधान बातचीत के जरिए करने का प्रस्ताव दिया। इसके बाद भारत और चीन के बीच कोर कमांडर स्तर पर बैठकें हुईं, लेकिन ये बैठकें बेनतीजा निकलीं। इसके बाद भी अतंरराष्ट्रीय समुदाय ने भारत और चीन को वार्ता के जरिए इस समस्या का समाधान करने की सलाह दी। भारत ने भी अपनी कूटनीति का प्रयोग करते हुए उन देशों को अपने साथ लिया, जिनसे चीन का तनाव है। चीन पर पहले से ही कोरोना वायरस को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव था। भारत को सीमा विवाद पर अमेरिका, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों का साथ मिला। इन देशों ने चीन के विस्तारवादी रवैये का खुलकर विरोध किया और भारत को समर्थन दिया। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अचानक लेह के दौरे पर पहुंचे और उन्होंने वहां सेना के जवानों से मुलाकात कर उनका मनोबल बढ़ाया। पीएम मोदी ने थलसेना, वायुसेना और आईटीबीपी के जवानों से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौजूदा स्थिति की पूरी जानकारी दी। चीन में पिछले साल दिसंबर महीने में कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया। इसके बाद देखते-देखते यह वायरस पूरी दुनिया में फैल गया। अमेरिका समेत पूरा यूरोप इस वायरस से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कोरोना वायरस को लेकर चीन पर वैश्विक बिरादरी पहले से ही नाराज थी, ऊपर से भारत के साथ तनाव ने वैश्विक बिरादरी को चीन के खिलाफ एकजुट कर दिया। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो लगातार भारत का समर्थन करते हुए सीमा विवाद को लेकर चीन पर हमला बोलते रहे। पोम्पियो ने झड़प में शहीद हुए जवानों को लेकर कहा कि चीन के साथ हाल में हिंसक झड़प में सैनिकों के मारे जाने पर भारत के लोगों के प्रति हम गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। इस दुख की घड़ी में हम उन जवानों, उनके परिवार, उनके चाहने वालों और भारत के लोगों के साथ हैं। इसके अलावा वह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को निशाने पर लेते हुए कह चुके थे कि ये दुनिया के लिए खतरा है। पोम्पियो ने कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियों से अमेरिका समेत कई देशों के नागरिकों की सुरक्षा को खतरा है। उन्होंने कहा, दशकों में ट्रंप प्रशासन पहला है जिसने इस खतरे को गंभीरता से लिया है। अमेरिका ने चीन को चुनौती देते हुए यूरोप से अपने सैनिकों को कम करके एशिया में तैनात किया, इससे भी चीन पर दबाव बढ़ा। अमेरिका के विदेश मंत्री ने कहा, मैंने इस महीने यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत की, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी शांतिपूर्ण पड़ोसियों को लगातार धमका रही है, वहीं भारत के साथ यह टकराव की स्थिति में है।

आत्महत्या नहीं बल्कि आत्म चिंतन करों

आज हम जिस युग में है यहां हर कोई बुलंदियों के शिखर पर पहुंचना चाहता है। सबके पास अपने-अपने सपनों का फलसफा है। हर कोई अपना नाम और मकाम बनाना चाहता है,और ये सही भी है, क्योंकि अगर हम इस दुनिया में आये है तो बहुत कुछ न सही कुछ तो करके जाये। पर एक सबाल है जो यहां उठता है कि क्या हम जो हासिल करना चाहते हैं बस उसी मुकाम तक हमारा सफर होगा,और केवल हमारा वो सपना ही हमारे लिए सबकुछ है, मतलब हमारा परिवार, दोस्त, रिश्तेदार सब वही सपना है। अगर जवाब नहीं है तो हमें यहां यह सोचना चाहिए कि अगर हम अपने द्वारा निर्धारित किए गए मुकाम पर नहीं भी पहुंचे तो भी, हम उनके लिए जिएंगे जो हमारे साथ उस वक्त भी खड़े हैं जिस समय न हमारे पास कोई बड़ी उपलब्धि है और न ही कोई मुकाम। और यदि जवाब हां है तो हमें यहां यह सोचना चाहिए कि जब हमारे लिए सबकुछ हमारा सपना ही है तो फिर क्या फर्क पड़ता है कि हम कितनी बार गिरे, कितनी बार असफल हुए,जब सपना हमने देखा है तो आज नहीं तो कल हम अपने सपनें को, अपने द्वारा निर्धारित किए गए मुकाम को हासिल कर ही लेंगे। अब एक जरूरी बात मैं जानती हूं,हम सब आशा में जितने उछलते हैं निराशा हमें उतना ही तोड़ देती है,पर क्या जिंदगी बस आशा-निराशा और हार-जीत है कोशिश,

प्रयास,सीख इनका कोई महत्व नहीं जीवन में,एक बार अपने दिमाग को शांत रखकर सोचिए कि जिंदगी अपने आप में एक प्लेटफार्म है अपनी खुद की काबिलियत दिखाने का,ये आपको कई मौके देगी, कुछ नया करने का, कुछ नया सीखने का, और यदि आप जिंदगी में आई निराशा के चलते आत्महत्या जैसा कदम उठाते हो तो निश्चित तौर पर न तो आप कुछ सीख पाओगे और न कभी अपनी काबिलियत दिखा पाओगे। तो आज ही आत्महत्या नहीं बल्कि आत्म चिंतन का रास्ता चुनों और अपने अंदर मौजूद असीम संभावनाओं को पहचानों, ये वादा है मेरा आप एक विजेता के तौर पर केवल अपनी ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की दृष्टि में उभर कर आओगे।

जय हिन्द जय भारत

अंकिता जैन अवनी
अशोकनगर मप्र

शोसल मिडिया का कोसल और शोषण

प्रत्येक बात के दो पहलू होते हैं,एक सकारात्मक और एक नकारात्मक,,जैसा की हम जानते हैं वर्तमान का दौर टेक्नोलॉजी और इंटरनेट का है। आज के हर क्षेत्र कार्य में इंटरनेट और टेक्नोलॉजी नजर आती है। जिस तरह शोसल मिडिया का उपयोग कार्य सिद्ध करने के लिए होता है।वह कार्य शीघ्र पुरा हो जाता है। प्राचीन समय बहुत लोग मिलकर एक कार्य करते थे वहीं आज टेक्नोलॉजी एक लोग द्वारा सम्पन करता है। छोटे बड़े कार्यो को सुगम बनाने के साथ साथ अन्य क्षेत्रों में भी शोसल मिडिया का मुख्य योगदान है। आज शिक्षा को उच्चतम बनाने का प्रमुख योगदान शोसल मिडिया का ही है। व्यापार-वाणिज्य ,लघु तथा बड़े उद्योग के लिए विशेष अभियान शोसल मिडिया के तहत ही पूर्ण हुआ है। छोटे गांवों से लेकर बड़े -बड़े देशों और विदेशों की हर तरह की जानकारी जूटाने का कार्य शोसल मिडिया ही करता है। मानव समाज को सभ्य तथा विकास की दिशा में अग्रसर ईसके तहत ही हुआ है। हमारे पास यथासंभव प्रेरणादायक विचार और अभिव्यक्ति प्रचारित करने में शोसल मिडिया ने अहम भूमिका अदा की है। इसी तरह हर क्षेत्र में ईसका सकारात्मक उपयोग संभव है। लेकिन , सब अच्छे बन जायेंगे ,तो बुराई कौन करेगा?और अच्छाई का कोई वजूद नहीं रहेगा।। यानी जब वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने हमारे राह को सरल बनाया है, तो हमें उसका उपयोग व्यवस्थित और उचित ढंग से करना चाहिए वर्तमान में छोटे बच्चों को संस्कारों से वंचित आज की टैक्नोलॉजी ने किया।।पहले के समय,जन्म से उच्च आदर्श शिक्षा परिवार की होती थी लेकिन आज एकल परिवार है सब जने अपने कार्य में व्यस्त रहते हैं। जो युवा लोग देश का भविष्य है ,वह आज पुरे दिन वाट्सएप खेलते और अन्य कई एप पर बेवजह चैट करते हैं। वर्तमान में भारतीय संस्कृति और संस्कारों की वाट,,युवा भाईयों बहिनों के नकारात्मक दृष्टिकोण ने लगा दी।। भारतीय समाज में परिवार की ईज्जत को प्रभावित ,ईसी शोसल मिडिया के दुरूपयोग ने किया है।। जब हमारे साधन नहीं थे तब भी हम अपना जीवन यापन करते थे । और जब आज हमारे पास साधन है तो उसका लोग दुरूपयोग कर रहे हैं। समय के साथ परिवर्तन होना चाहिए लेकिन हमारे आदर्शों और परंपराओं को कभी भी प्रभावित नहीं करना चाहिए। भौतिक जीवन को सरल बनाने के उद्देश्य में ,, मानवीय मूल्यों को कभी भी नहीं भुले।। अन्ततः जो आप जिस टैक्नोलॉजी का उपयोग कर रहे हो,,उसका सही और ग़लत दोनों तरह उपयोग हो सकता है लेकिन तय आपको करना है की आप कौनसा रास्ता पसंद करते हैं। यही राह आपके जीवन की दिशा निर्धारित करेगी।।

सुरेश भक्त राठौड़
मेड़ा जागीर, जालोर (राजस्थान)

थम नहीं रहा टिड्डि दल

राजस्थान और मध्य प्रदेश पिछले कई दिनों से टिड्डी दलों के हमलों से काफी परेशान हैं और टिड्डियों का यह हमला अब हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश इत्यादि उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों तक पहुंच गया है। कई-कई किलोममीटर लंबे टिड्डी दल फसलों को पूरी तरह तबाह कर बर्बादी की गई कहानी लिखते हुए आगे बढ़ रहे हैं। पाकिस्तानी सीमा से भारत में आए ये टिड्डी दल राजस्थान के दो दर्जन से अधिक जिलों तथा मध्य प्रदेश के भी कई इलाकों में कई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को नष्ट कर चुके हैं। अब इन दोनों राज्यों के साथ देश के कई अन्य राज्यों में भी टिड्डी दलों का फसलों पर कहर देखा जा रहा है। टिड्डियों के कई-कई किलोमीटर लंबे दल अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर फसलों को चट करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। भारत में वर्ष 1926 से 1931 के बीच टिड्डियों के कारण तत्कालीन मुद्रा में करीब दस करोड़ रुपये तथा 1940 से 1946 के दौरान दो करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। इसे देखते हुए वर्ष 1946 में लोकस्ट वार्निंग ऑर्गेनाइजेशन (एलडब्ल्यूओ) यानी टिड्डी चेतावनी संगठन की स्थापना की गई थी। एलडब्ल्यूओ केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के अंतर्गत कार्यरत है। भारत में 1949-55 के दौरान टिड्डी दलों के हमले से दो करोड़, 1959-62 के दौरान पचास लाख तथा 1993 में करीब 75 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया था। अभी ऐसे हमलों में नुकसान करोड़ों-अरबों रुपये तक पहुंच जाता है। महज ढाई-तीन इंच आकार का यह कीट प्रतिदिन अपने वजन के बराबर खाना खा जाता है।

दुम दबा के ड्रैगन भागा

जिनको हमने दोस्त बनाया ,
वही पीठ पर भोके खंजर।
जिनको हमने अपना माना
उनके हाथ खून से लता पथ।
देखो चीन पुनः सीमा पर,
युद्ध करने के लिए आया है ।
भारत ने भी ठान लिया है ,
अक्साई भारत बनाना है ।।
तम्बू गाड़े या बनाये बंकर ,
सब मिटा देंगे वीर बनकर ।।
सैनिकों में जोश भरकर
हम बढ़ायेगे अपनी सरहद।।
पुरानी हो चुकी वो युद्ध प्रणाली ,
जो बासठ में तुमने देखी थी ।
धोखे से आकर तूने
खून की होली खेली थी ।
अब यह बीस बीस का
विकसित भारतवर्ष है ।
एक जवान बीस बीस चीनी पर
भारी पड़ा था15 जून की रात थी।
है औकात तो बताओ अपनों को
हमने कितनो की गर्दन तोडी थी।
दौडा दौडा कर पीटा गया
दुम तुम्हारी जात भाग गया।।
अब न तेरा कोई दोस्त यहाँ
जो समझौते कराएगा।
डरा धमाका कर मनमानी करे
अब और न हिन्द सहन करेगा।
याद कर लेना सन 67 को
जब भगा भगाकर मारा था ।
भारत तो सोने की चिड़िया
उसे पाने की जिद छोड़ दे।
अपनी हद मे रहो नही तो
तिब्बत और बुहान से मोह छोड़ दे।
दुनिया के नक्शे चीन सिमट जाएगा
भारत के सामने तू कहा टिक पाएगा।
उकसाने की गुस्ताखी न कर
नेपाल बंगला देश पाक हमारे औलाद है ।
कहाँ तक जाएँगे यह
सबके रहे हम बाप हैं ।।
देखो प्रधानमंत्री गरज रहे
ड्रैगन के पतलून फट रहे।
तैयारी है पूरी अबकी बार
एक बार हम जाए उसपार।
हाथो में सुर्दशन गन
दिलो में हिम सा हौसला है
आ जाओ सामने से
देखे तू कितना जोशीला है।
भारत जल थल नभ में
भारी है तुमसे ड्रैगन
संख्या बल हमारे कम होंगे
मगर बीस तीस पर एक भारी मसला है।
यहाँ अभिमानी टिके नही
क्योंकि हम स्वाभिमानी हैं।
तूझे घमंड है अपनी शक्ति पर
हमने कईयो के घमंड चूर किए।
पढ लेना इतिहास हमारे पूर्वजो की
एक राम संघार किए समूचे असूरो की।
हम न झुकेगें न रूकेंगे
भारत माँ की खातिर
हर घर से फौजी निकलेंगे।

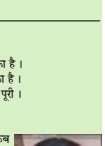

आशुतोष
पटना बिहार

दोस्त

मै यादों का
किस्सा खोलूँ तो,
पुष्पॉजली के दोस्त बहुत
याद आते हैं....

मै गुजरे पल को सोचूँ
तो, पुष्पॉजली के दोस्त
बहुत याद आते हैं....

अब जाने कौन सी नगरी में,ड्ड
आबाद हैं जाकर मुद्दत से....

मै देर रात तक जागूँ तो ,
पुष्पॉजली के दोस्त
बहुत याद आते हैं....

कुछ बातें थीं फूलों जैसी,
कुछ लहजे खुशबू जैसे थे,
मै परिवार ग्रुप में कबिता लिखू तो,
पुष्पॉजली के दोस्त बहुत याद आते हैं.

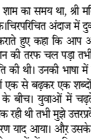

सबकी जिंदगी बदल गयी,ड्ड
एक नए सिरे में ढल गयी,ड्ड

किसी को पत्रकारिता से फुरसत नही...ड्ड
किसी को दोस्तों की जरुरत नही....ड्ड

सारे दोस्त गुम हो गये हैं...ड्ड
÷अ÷ से ÷अर्पित÷ ÷भ÷ ÷भरत÷और ÷आप÷ हो गये है....

मै गुजरे पल को सोचूँ
तो, पुष्पॉजली के दोस्त बहुत याद आते हैं....

धीरे धीरे उम्र कट जाती है...ड्ड
पुष्पॉजली यादों की पुस्तक बन जाती है,ड्ड
कभी किसी की याद बहुत तड़पाती है...ड्ड
और कभी यादों के सहारे ज़िन्दगी कट जाती है ...ड्ड

किनारो पे सागर के खजाने नहीं आते,
फिर जीवन में दोस्त पुराने नहीं आते...

जी लो इन पलों को हॅस के दोस्त,ड्ड
ड्डफिर लौट के दोस्ती के जमाने नहीं आते ...

केशब पडित
पुष्पॉजली ब्यूरो मुरैना अम्बाह...

कलाई

कैलाश भाई प्रणाम। पहचाना। रेल के सफर में मिले थे। अपने पति की बाइपास सर्जरी के लिए जयपुर जा रही थी। हमारी समस्या सुनकर कि अनजान शहर में खून का इन्तजाम कैसे होगा सुनकर तुमने अपना परिचय दिया। नियमित रक्तदान कर जीवनदान करने का प्रयास करते रहते हो। रावतभाटा पहुंचकर तुमने वाट्सएप पर अपना ब्लड डोनेशन कार्ड भेज दिया। तुम्हारी इस निस्वार्थ सेवा से आपरेशन सफल रहा। भाई निशब्द हूँ। मेरी कलाई के भरे होने का श्रेय तुम्हें ही जाता है ताकि सावन में खनकती कलाई से पीहर में खूब आनन्द ले सकूँ। रिटर्न गिफ्ट में कुछ भी दे सकने के लिए एक अनजाने महान दिल वाले भाई के समक्ष यह नालायक बहन बहुत छोटी है। सावन के अन्तिम दिन अपनी कलाई पर मेरी यह राखी सजा लेना। मेरी भरी कलाई के समान तुम्हारी कलाई भी सदा सजी रहे। बस यही ईश्वर से प्रार्थना है। भीगी पलकों से यह पत्र लिखना शुरू किया था। इस समय सावन की बरसात के समान बस अश्रु बह रहे हैं। एक बहन का प्यार।

सादर सस्नेह बहन जया।

दिलीप भाटिया राजस्थान

बदलते चेहरे

हर साल की तरह इस साल भी जैसे ही नए साल की पढ़ाई शुरू हुई। प्रिंसिपल मैडम साधना जी ने प्रार्थना स्थल पर खड़े होकर प्रार्थना के बाद अपनी स्पीच देना शुरू किया। उनकी स्पीच सभी बच्चों के लिए और स्कूल में पढ़ाने वाली सभी अध्यापकों के लिए थी।उन्होंने अपने सभी अध्यापकों और स्कूल में आए नए और पढ़ने वाले पुराने विद्यार्थियों को को समझाते हुए अपनी बातों को उनके सामने रखना शुरू किया। साधना जी ने बड़े ही प्यार से बच्चों को समझाया कि नए साल में सभी अपने किताबों को ध्यान से पढ़े और अपने भविष्य के लिए बडी ही मेहनत से पढ़ाई करें।उन्होंने अपने अध्यापकों से अनुरोध किया कि बच्चों को इस तरीके से पढ़ाया जाए कि उन्हें किसी भी प्रकार के ट्यूशन की जरूरत ना पड़े।उनकी पढ़ाई की सारी परेशानी कक्षा में पढ़ाई के दौरान ही दूर की जाएं और बच्चों के मां-बाप के होने वाली ट्यूशन की फीस का अलग से खर्चे ना हो। साधना जी ने अपने टीचरों को समझाया कि उन्हें इतनी लगन से पढ़ाये कि जैसे अपने बच्चों को पढ़ाते है।उनकी शिक्षा से बच्चे आगे बढ़े और उन्हें किसी भी ट्यूशन की जरूरत ना पड़े।भाषण के बाद और स्कूल समाप्त होने के बाद साधना जी घर पहुंची। घर पहुंचने के बाद उन्होंने शाम को उनके पास जो बच्चे ट्यूशन पढ़ने आते थे।उनको पढ़ाना शुरू किया बच्चों को पढ़ाते-पढ़ाते उन्हें समझा रही थी।देखो बच्चो स्कूल में आजकल कहां इतनी बढ़िया पढ़ाई होती है।ट्यूशन तो बहुत ही जरूरी हो गया है।बिना ट्यूशन के अब केवल स्कूल के समय मे पढ़ाई पूरा करना बड़ा मुश्किल है। क्लास में तो केवल औपचारिकता ही पूरी हो पाती है।राधा जो नवी कक्षा के विद्यार्थी है।सुबह ही उसने स्कूल में मैडम का भाषण के दौरान साधना जी एक दूसरा चेहरा देखा था और अब ट्यूशन के दौरान उनका कोई दूसरा ही चेहरा दिखाई दे रहा था।अपने भोलेपन में राधा ने साधना जी से पूछ लिया मैडम आप अपने चेहरे पर दो-दो चेहरे कैसे लगा लेते हो।स्कूल में कुछ कहते हो और घर में कुछ कहते हो।साधना मैडम ने राधा को डांट कर एक कोने पर बैठा दिया।शायद अपनी बेशर्मी को छिपाने का उनके पास और कोई तरीका नही था।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद

निजीकरण के सनक

डरो डरो ए दुनिया वाले
निजीकरण के सनक से।
अगर समय से नहीं चेते तो
मिट जाओगे निजीकरण से।
वैश्वीकरण का परिणाम देख लो
संपति का बढ़ता गुमान देख लो।
वैश्वीकरण का भूत उतर रहा,
जब विदेशी मालों से बाजार भरा।
राष्टीय परिसंपत्तियों का जो
हो जाएगा पूर्ण निजीकरण।
अमीरी-गरीबी की खाई बढ़ेगी
वंचितों की शिक्षा-दवाई रुकेगी।
शुरू होगा संपति का केंद्रीकरण
बढ़ेगा युवाओं के श्रम का शोषण।
बस मुट्ठी भर लोगों के हाथ में
देश की सत्ता की लगाम होगी।
जब निजी संपत्ति बेलगाम होगी
देश पूंजीवाद का गुलाम होगा।
मेहनतकश रहेंगे भूखे पेट
धनपशु बनेगा और धना सेठ।
युवाओं के भविष्य के खातिर
निजी करण को रोकना होगा।
जो कोई भी निजीकरण दे साथ
उससे हमें हर नाता तोड़ना होगा।

गोपेंद्र कु सिन्हा गौतम
औरंगाबाद बिहार

सुगत सवैया

मन रूपी घट बसे साँवरे,फिर भी तृष्णा रही अधूरी ।
जैसे वन वन ढूँढ़ रहा मृग ,छिपी हुई मन में कस्तूरी ।
लोभ ,मोह अरु मद माया में ,मृग तृष्णा सा मन भटका है ।
जनम मृत्यु अरु पाप पुण्य के ,उलट फेर में ही अटका है ।
तज सब बंध दरश कब दोगे ,कब हो यह अभिलाषा पूरी ।
मन रूपी घट बसे साँवरे,फिर भी तृष्णा रही अधूरी ।

कर्म जाल में नित उलझा मन ,भव से निकल कहो कब पाया ।
मैं नर हूँ प्रभु तुम नारायण ,सभी तुम्हारी माया काया ।
मैं मजबूर विधी के हाथों ,किंतु आपकी क्या मजबूरी ।
मन रूपी घट बसे साँवरे,फिर भी तृष्णा रही अधूरी ।

रीना गोयल (हरियाणा)

कितने विकास दुबे है कुछ कह नहीं सकते

शाम का समय था, श्री मतिजी का आदेश था घरेलु सामान की पूर्ति का तो चल पड़ा बाजार की तरफ।चिरपरिचित अंदाज में दुकान वाले भाईसाहब को समान की सूची दी। दुकानदार ने सूची देखकर मुस्कराते हुए कहा कि आप आधे घंटे बाद आइए सामान तैयार मिलेगा।मैं बाजार में एक मित्र की दुकान की तरफ चल पड़ा तभी कुछ दूरी पर दो लोग आपस मे बात कर रहे थे वो बातचीत झगड़ालू प्रवृति की थी। उनकी भाषा में एक दूसरे को धमकाने का गजब का आत्मविश्वास। दोनों एक से बढ़कर एक शब्दों का प्रयोग कर रहे थे। उम्र देखिये महज 18 से 29 वर्ष के बीच। युवाओं में चढ़ते खून की कितनी गर्मी होती है वो उनकी भाषा से झलक रही थी तभी मुझे उत्तरप्रदेश के कानपुर के गैंगस्टर विकास दुबे का एनकाउंटर प्रकरण याद आया। औऱ उसके इतिहास के पन्नों को टटोला, कई काले कारनामों के काले अक्षरों में नाम लिखा हुआ था।पिछले सप्ताह 3 जुलाई की काली रात को कानपुर में हुए एनकाउंटर में विकास दुबे नामक खूंखार गैंगस्टर ने आठ पुलिस के जवानों की जान ले ली थी और वो खुद भागने में कामयाब रहा। जुर्म की दुनिया का बेताज बादशाह विकास दुबे आलीशान गाडियों में घूमने के साथ साथ कई जघन्य अपराधों को अंजाम देने का आरोपी था।ख़ौफ़ लोगों में इतना कि जुर्म के चश्मदीद गवाह होने के बावजूद कोई गवाही को तैयार नहीं। कानून की लाचारी देखिये की 2002-2003 में सरेआम थाने में मंत्री की हत्या करने के बावजूद सबूतों और गवाही के अभाव में जमानत मिल गई औऱ बेखौफ बाहर आ गया। तब से विकास के अपराधों का विकास की शुरुआत कहे तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होंगी। पुलिस के मूवमेंट की जानकारी अपराधी तक आसानी से पहुँचती है तो सायद यह इससे बड़ी कमजोरी कुछ नहीं हो सकती। सवाल तो पुलिस का कार्यप्रणाली पर भी उठ रहे है कि जब उनको पता था कि यह खूंखार अपराधी है तो बिना हथियारों औऱ दलबल से नही पहुचना चाहिए था। आधी अधूरी तैयारी ने अपराधियों को हावी होने का अवसर दे दिया औऱ हमारे आठ जवानों को प्राण गवाने पड़े। अपराधी पुलिस से भी बड़ी तैयारी के साथ था। एनकाउंटर के बाद बिल्डिंग के सर्च ऑपरेशन में जो जानकारियां सामने आई उससे यह जरूर लग रहा है कि विकास कोई अपराध का बड़ा विकास करने वाला था।2 किलोग्राम विस्फोटक औऱ 15 जिंदा बम की मिलना कोई बड़ी साजिश की तरफ इशारा करता है।मुठभेड़ में पुलिस ने विकास दुबे के दो गुर्गों को मारने के साथ एक को जिंदा पकड़ा लेकिन इस बीच खूंखार अपराधी भागने में कामयाब रहा।अंदेशा जताया जा रहा है कि यह नेपाल अथवा मध्यप्रदेश की सीमा में प्रवेश कर सकता है।अब सवाल यह उठता है कि बिना सरंक्षण क्या कोई अपराध जगत का बेताज बादशाह बन सकता है।अगर कोई बुद्धिजीवी इस प्रश्न का उत्तर खोजेगा तो सायद यही पायेगे की बिना सरंक्षण संभव नहीं है।सरंक्षण में भी आर्थिक की जगह राजनैतिक सरंक्षण की उपयोगिता ज्यादा हो जाती है।पिछले 20 साल का विकास दुबे का रिकॉर्ड देखे तो बिना सरंक्षण उसका पनप पाना सम्भव नही था।घर के तहखानों में हथियार का मिलना अपराध जगत में कहाँ तक जाने की मंशा थी यही दर्शाता है।।

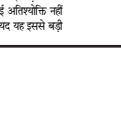

गुलाब कुमावत
साँचोर, राजस्थान

अर्जुन कपूर ने परिणीति चोपड़ा की दबाई गर्दन

मुंबई । हाल ही में अर्जुन कपूर और परिणीति चोपड़ा की फिल?म ÷संदीप और पिंकी फरार÷ का ट्रेलर रिलीज हुआ है। बताया गया ?कि कई फैंस इस फिल?म के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। क्यों?कि, यह फिल्म करीब दो साल से लटकी पड़ी थी, ले?किन अब इसका ट्रेलर सामने आ गया है। बता दें ?कि इस ?फिल्म के डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी हैं। ट्रेलर देखकर बताया जा रहा है ?कि इस फिल?म में परिणीति चोपड़ा ने उनकी आज तक की करियर की सबसे बेस?ट एक्टिंग की है। ऐसा लग रहा है इस फिल?म में उन?होंने अपनी जान फूंक दी है। हालांकि अर्जुन कपूर भी कुछ कम नजर नहीं आ रहे हैं, लेकिन यह कहना बिल?कुल गलत नहीं होगा कि एक्टिंग में परिणीति ने उन?हें मात दे दी है। बताया गया ?कि एक?ट्रेस सोनम कपूर ने भी अपने भाई अर्जुन कपूर के इस फिल?म को शेयर करते हुए उनकी तारीफ कर उनको बधाई दी। ट्रेलर के बारे में बताया गया ?कि इसकी शुरुआत अर्जुन के कार में बैठेने से होती है तभी परिणीति भागी-भागी उनके पास आती हैं और उन?हें दिल?ली से बाहर ले जाने को कहती हैं। जिसके बदले में वह कोई भी किमत चुकाने को तैयार रहती हैं। वह काफी डरी हुई नजर आती है। वहीं अर्जुन काफी सीरियस लुक में दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद शुरू होता है सस?पेंस का खेल। कई लोग इन दोनों का पीछा करते हैं। इन?हें मारने की कोशिश करते हैं। ट्रेलर देखकर तो यही लग रहा है कि परिणीति कुछ गलत काम कर फरार हुई जिसकी कीमत उन?हें अपनी लग?जरी लाइफ को छोड़ कर सामान?य जिंदगी जी कर चुकानी पड़ रही है। हालांकि ट्रेलर से अब तक यह तो साफ नहीं हुआ, यह तो अब मूवी रिलीज होने के बाद पता चल पाएगा परिणीति चोपड़ा किससे और क?यों भाग रही हैं। बता दें कि यह ?फिल्म 20 मार्च 2020 को रिलीज होने वाली है।

अमिताभ बच्चन ने गुलाबो सिताबो को दिया शॉर्ट नेम

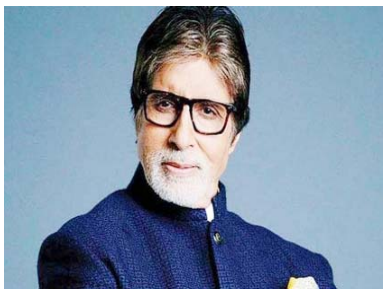

मुंबई । बॉ?लिवुड अ?भिनेता अमिताभ बच्चन ने अपनी आने वाली फिल्म ÷गुलाबो सिताबो÷ को भी एक शॉर्ट नाम दिया है। उन्होंने अपने नए ट्वीट में बताया कि नई जनरेशन में चीजों की शार्ट फॉर्म लिखने का चलन काफी चल रहा है। उन्होंने लिखा ?कि ÷टी 3459÷नई पीढ़ी/नई पीढ़ी चीजों के शार्ट फॉर्म इस्तेमाल करती है। जैसे लोल, आरटीएफएल, जीओएटभी आदि। हालां?कि मैंने कभी खुशी कभी गम ?का शॉर्ट के3जी बनाया था..और ये लोगों ने अपना लिया था। इसके बाद अब अगला है गुलाबो सिताबो, ?जिसका शॉर्ट नाम जीबोसीबो रखा है। इस पर उनके को-स्टार आयुष्मान खुराना ने अपना रिएक्शन दिया। आयुष्मान खुराना ने कमेंट में इस शार्ट फॉर्म गेम को अगले ही लेवल पर ले गए। आयुष्मान ने एक बहुत लम्बी शार्ट फॉर्म को लिखा, जिसे एक लाइन में उन्होंने बताया कि जीबोसीबो नाम उन्हें बहुत पसंद आया है। आयुष्मान ने लिखा ?कि सर, मैं आपके जितना क्रिएटिव नहीं हूं लेकिन जीबोसीबो बहुत कूल नाम है।÷ बता दें कि गुलाबो सिताबो यानी जीबोसीबो डायरेक्टर शूजित सरकार की बनाई फिल्म है, जिसमें अमिताभ बच्चन और आयुष्मान खुराना संग काम कर रहे हैं। ये कहानी एक खड़ूस मकान मालिक और उसके किराएदार की है। फिल्म जीबोसीबो 17 अप्रैल को रिलीज होगी।

नीना गुप्ता बोली शादीशुदा मर्दों से दूर रहे महिलाएं

अपनी फिल्मों और ऐक्टिंग से एक अलग ही मुकाम हासिल करने वाली बॉलिवुड अदाकारा नीना गुप्ता ने म?हिलाओं से शादीशुदा मर्दों से दूर रहने को कहा है। बता दें ?कि अपनी निजी जिंदगी में नीना बेहद बोल्ड रही हैं। नीना के वेस्ट इंडीज के मास्टर क्रिकेटर विवियन रिचर्ड के साथ संबंध थे और वह उनकी बेटी मसाबा की सिंगल मदर रही हैं। नीना ने यह बात कभी छिपाई भी नहीं है। हाल ही में नीना गुप्ता ने एक विडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने एक बार फिर काफी बोल्ड बयान देते हुए महिलाओं को खास सलाह दी है। बता दें ?कि आजकल नीना सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं। हाल में नीना ने एक विडियो शेयर कर अपना पर्सनल एक्सपीरियंस शेयर किया है। उन्होंने विडियो के माध्यम से लड़कियों और महिलाओं को सलाह दी है कि कभी किसी शादीशुदा मर्द से प्यार न करें। उन्होंने कहा कि उनका निजी अनुभव रहा है कि शादीशुदा मर्दों से संबंध रखने पर किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है और इन अफेयर्स का अंत कैसा होता है।

अपने फैंस को जल्दी रणदीप हुड्डा देंगे खुशखबरी

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा अपने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दे सकते हैं। दरअसल वह एक मणिपुरी मॉडल लिन लैशराम को काफी लंबे समय से डेट कर रहे हैं। बता दें ?कि पहली बार साल 2018 में रणदीप हुड्डा और उनकी गर्लफ्रेंड को नई दिल्ली के ÷?यागराज स?टेडियम÷ में मैच का आनंद लेते हुए देखा गया था। हालां?कि लिन लैशराम बॉलीवुड में भी काम कर चुकी हैं। साल 2014 में आई ÷मेरीकॉम÷ में उन?होंने ÷बेम-बेम÷ का रोल निभाया था। इसके अलावा लिन नसीरुद्दीन शाह के थिएटर ग्रुप का भी हिस्सा रह चुकी हैं। रणदीप हुड्डा जल?द अपनी गर्लफ्रेंड की मुलाकात अपने माता-पिता से करवाने वाले हैं। इससे पहले वह लिन की मुलाकात अपनी बहन अंजली हुड्डा से भी करवा चुके हैं। अब वह उनके माता-पिता से मिलवाने की तैयारी में लगे हैं। यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि जल?द ही रणदीप अपने फैंस को कोई बड़ी खुशखबरी दे सकते हैं।

दुखी और डिस्प्रेस रहना आसान है, खुश रहना नहीं: जैकलीन

मुंबई। एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज ने बॉलीवुड में अपने स्ट्रगल और अपने ÷हैप?पी फेस के पीछे की परेशानियों को साझा किया है। उन्होंने ने कहा कि खुश रहना बहुत मुश्किल है, जबकि दुखी और डिप्रेस रहना बेहद आसान है। जैकलीन ने हमेशा खुशदिल रहने पर कहा कि हमेशा खुश और पॉजिटिव रहने की सबसे नकारात्मक और परेशान करने वाली बात है कि जब भी आप कुछ अपने तरीके से करना चाहते हैं या अपनी कोई बात रखना चाहते हैं, कोई भी आपको सीरियसली नहीं लेता है। सब को लगता है कि आप किसी भी तरीके से कोई काम करो, ये बाद में उसपर अपनी रजामंदी दे ही देगी। मेरे साथ ये कई बार हुआ है कि जब मैं कोई चीज अपने तरीके से करना चाहती हूं या अपने लिए कोई स?टैंड लेना चाहती हूं तो लोग उसे उस तरीके से नहीं लेते, शायद इसलिए क?योंकि मेरा एटिट्यूड उतना कड़क नहीं है।÷ जैकलीन आगे कहा ?कि ÷मैं हमेशा खुश रहने की कोशिश करती हूं और मैं बता दूं कि ये बहुत मुश्किल काम है। हमेशा खुश रहना बहुत मुश्किल है, जबकि दुखी और डिप्रेशन में रहना बेहद आसान है। जब आप दुखी और डिप्रेस रहते हैं तो आपको बहुत सारा अटैंशन मिलता है, हर कोई आपके बारे में पूछता है %क?या हुआ, अरे से बड़ा दुखद है.% लेकिन अगर आप हमेशा खुश रहते हैं तो लोगों को फर्क ही नहीं पड़ता और हर कोई सोचता है ÷वो ठीक हो जाएगी।÷ चाहे उसके साथ रुखे तरीके से बात करो, उसे परेशान करो कुछ भी करो वो ठीक हो जाएगी, लेकिन असल में हम भी इंसान हैं और हम पूरे समय एक बहादुर की तरह सभी परिस्थितियों से जूझने के लिए तैयार रहते हैं और ये काफी मुश्किल है।÷

वह समय आए, जब शाहरुख और ऋतिक जैसे अभिनेताओं के साथ रोमांस कर सकूं : नीना गुप्ता

मुंबई । अधिक उम्र को मात देकर कमबैक करने वाली अभिनेत्री नीना गुप्ता, अपने शानदार व्यक्तित्व और बेबाक अंदाज के साथ-साथ बेहतरीन अभिनय के लिए भी जानी जाती हैं। फिल्म कैसी भी हो नीना गुप्ता अपने जोरदार प्रदर्शन की बदौलत उसे खास बना देती हैं। हाल ही में वह एक वीडियो को लेकर भी चर्चा में थीं, जिसमें उन्होंने लड़कियों को नसीहत दी थी कि विवाहित पुरुष के साथ प्यार कठिनाइयां पैदा करने वाला होता है। खास बात यह भी है कि वह फिल्म में भूमिका भले ही मां की निभाएं, लेकिन उन्हें महत्व हमेशा हीरोइन की तरह ही मिलता है। 60 साल की यह बेहद प्रतिभाशाली अभिनेत्री एक के बाद एक लगातार फिल्में कर रही हैं। उन्होंने कमबैक के बाद बहुत जल्द बालीवुड में अपने लिए सम्मानजनक स्थान निर्मित कर लिया है। हाल ही में रिलीज हुई उनकी दो फिल्मों शुभ मंगल ज्यादा सावधान और पंगा को बॉक्स आफिस पर खूब पसंद किया गया है। पिछले दिनों अपने एक वीडियो से सुर्खियों में आई नीना गुप्ता ने हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में अपने करियर के बारे में खुलकर बातें की। उन्होंने कहा मैं चाहती हूं बॉलीवुड में समय आए, जब मैं शाहरुख खान और ऋतिक रोशन जैसे अभिनेताओं के साथ रोमांस कर सकूं। उन्होंने कहा अभी तक अभिनेताओं को अपने से 20-25 साल कम उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते देखा है, ऐसी भी फिल्में आनी चाहिए जिनमें कम उम्र हीरो के साथ अधिक उम्र की हीरोइन रोमांस करे। हालांकि, उन्होंने कहा यह स्थिति आने में अभी काफी समय लग सकता है। नीना गुप्ता ने कहा यह भी हो सकता है कि ऐसा समय आए ही नहीं, लेकिन मेरी दिली इच्छा है कि मैं ऋतिक रोशन और शाहरुख खान के अपोजिट काम करूं। रणबीर के साथ रोमांस के सवाल पर उन्होंने हंसते हुए कहा मैं रणबीर के साथ भी रोमांस करना चाहूंगी, लेकिन देश में ऐसा करने की परिस्थितियां निर्मित होने में अभी कुछ और समय लगेगा।

मेरे डैड की दुल्हन की शूटिंग शुरू, खासी उत्साहित दिखीं श्वेता तिवारी

मुंबई। कोरोना वायरस के बीच टीवी सीरियलों की शूटिंग शुरू हो गई है। 13 जुलाई से कई शो के नए एपिसोड देखने को मिल जाएंगे। ऐसे में अब दर्शक तो खुश हैं ही, सेलेब्स भी खासा उत्साहित नजर आ रहे हैं। मेरे डैड की दुल्हन की शूटिंग भी शुरू हो गई है। शो में अहम रोल निभाने वालीं श्वेता तिवारी की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। श्वेता तिवारी ने सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत फोटो शेयर की है। फोटो में श्वेता, अंजलि तत्रारी के साथ खड़ी नजर आ रही हैं। फोटो में दोनों ने चेहरों पर मास्क पहन रखा है। कोरोना के बीच अपनी खुशी जाहिर करने के लिए श्वेता ने एक सेल्फी सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस सेल्फी को शेयर करते हुए श्वेता ने लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का संदेश भी दिया है। उन्होंने लिखा है - 6 फीट दूरी बनाए रखें। वैसे इस फोटो में एक खास बात और भी है। दोनों श्वेता और अंजलि ने मास्क जरूर पहन रखा है, लेकिन उनका फैशन बरकरार है। दोनों ने काफी स्टाइलिश मास्क पहने हैं। एक तरफ श्वेता के मास्क पर 6 फीट दूर रहें लिखा है तो वहीं दूसरी तरफ अंजलि ने एक डिजाइनर मास्क पहना है। ऐसा कर दोनों ने खुद को कोरोना से भी बचाया है और अपने स्टाइलिश लुक को भी बरकरार रखा है।

जब अर्जुन और शिव में युद्ध हुआ

अर्जुन की परीक्षा लेने के लिए एक बार शिव जी भील रूप में उनके समक्ष पहुंचे। फिर दोनों में घमासान युद्ध हुआ। क्यों? पढ़ें...

दुर्योधन से जुए में हारने के बाद पांडव वनवास पर चले गए। पांडवों के वनवास पर जाने का समाचार जब द्रुपद, अन्धक आदि संबंधियों को मिला तो वे बेहद क्रोधित हुए। वे सभी काम्यक वन में पांडवों से भेंट करने गए। उनके साथ वहां श्री कृष्ण भी पधारे। काम्यक वन में पांडवों को दीन-हीन दशा में जीवन व्यतीत करते देखकर सभी बहुत दु:खी हुए। उन्होंने एक-साथ मिलकर कौरवों पर आक्रमण करने की योजना बनाई। किंतु युधिष्ठिर ने कहा- हे मित्रो! कौरवों ने तेरह वर्षो पश्चात हमारा राज्य लौटा देने का वचन दिया है। अत: आप लोगों का यूं उन पर आक्रमण करना उचित नहीं है। युधिष्ठिर के समझाने पर शुभचिंतक राजाओं ने हमले का विचार त्याग दिया। किंतु श्री कृष्ण ने प्रतिज्ञा की कि वे भीमसेन तथा अर्जुन द्वारा कौरवों का नाश करवा कर रहेंगे।

उन सबके जाने के पश्चात उनसे मिलने महर्षि वेदव्यास आए। पांडवों ने उन्हें यथोचित सम्मान व उच्च आसन दिया। वेद व्यास जी ने पांडवों के कष्ट निवारण के लिए प्रति-स्मृति नामक विद्या सिखाई। एक दिन पांडवों से भेंट करने मार्कंडेय ऋषि भी पधारे। उन्होंने भी पांडवों को राज्य वापस मिलने का आशीर्वाद दिया। इस ऋषियों मुनियों के आशीर्वाद तथा वरदान से पांडवों का आत्म बल बढ़ता गया। उधर बड़े भाई युधिष्ठर के कारण भीम तथा अर्जुन शांत थे, अन्यथा कौरवों द्वारा किए गए कपट को वे एक पल के लिए भी नहीं भूल पाते थे। उधर द्रौपदी भी अपने साथ हुए अपमान को याद करके उदास हो जातीं। उसकी यह उदासी भीम तथा अर्जुन की क्रोधाग्नि में घी डालने का कार्य करती।

एक दिन अर्जुन उत्तराखंड के पर्वतों को पार करते हुए एक अपूर्व सुंदर वन में जा पहुंचे। वहां के शांत वातावरण में वह भगवान शंकर की तपस्या करने लगे। उनकी तपस्या की परीक्षा लेने के लिए स्वयं भगवान शंकर एक भील का रूप धारण करके उस वन में आए। वहां आने पर भील रूपी शिव ने देखा कि एक दैत्य शूकर का रूप धारण करके तपस्यारत अर्जुन को मारने की घात में है। शिव ने उस दैत्य पर अपना बाण छोड़ दिया। जिस समय शंकर भगवान ने उस दैत्य पर बाण छोड़ा उसी समय अर्जुन की तपस्या टूटी तथा दैत्य पर उनकी दृष्टि पड़ी। उन्होंने भी गांडीव उठाकर दैत्य पर अपना बाण छोड़ दिया। शूकर को दोनों बाण एक साथ लगे तथा उसके प्राण पखेरू उड़ गए।

शूकर के मर जाने पर भीलरूपी शिव तथा अर्जुन दोनों ही शूकर को अपने बाण से मरा होने का दावा करने लगे। दोनों के मध्य इस बात को लेकर विवाद बढ़ गया। जिसने जल्द ही युद्ध का रूप धारण कर लिया। अर्जुन निरंतर भील पर अपने गांडीव से बाण वर्षा करने लगे। परंतु उनके बाण भील के शरीर से टकरा कर टूटते रहे और भील बड़े शांत भाव से खड़ा मुस्कराता रहा। जब अर्जुन के तरकश के सभी बाण समाप्त हो गए तो अर्जुन ने भील पर तलवार से हमला कर दिया। अर्जुन क्रोधित होकर भील से मल्लयुद्ध करने लगे। मल्लयुद्ध में अर्जुन भील के प्रहार से मूर्छित हो गए।

थोड़ी देर बाद अर्जुन की मूर्छा टूटी तो उसने देखा कि भील अब भी अपनी जगह खड़ा मुस्करा रहा है। भील की शक्ति देखकर अर्जुन को अत्यन्त आश्चर्य हुआ। उन्होंने भील को मारने की शक्ति प्राप्त करने के लिए शिव मूर्ति पर पुष्प माला डाली। किंतु अर्जुन ने देखा कि वह पुष्प माला शिवमूर्ति पर पड़ने के स्थान पर भील के कंठ में चली गई। इससे अर्जुन समझ गए कि भगवान शंकर ही भील का रूप धारण करके वहां पर उपस्थित हुए हैं। अर्जुन भगवान शंकर के चरणों पर गिर पड़े। भगवान शंकर ने अपना असली रूप धारण कर लिया। अर्जुन ने क्षमा मांगते हुए शंकर भगवान की स्तुति की। शिव ने प्रसन्न होकर अर्जुन से कहा- हे अर्जुन, मैं तुम्हारी तपस्या और पराक्रम से अति प्रसन्न हूं। और तुम्हें अपना पाशुपत अस्त्र प्रदान करता हूं। भगवान शंकर अर्जुन को पाशुपत अस्त्र देकर अंतर्ध्यान हो गए। उसके पश्चात वहां पर वरुण, यम, कुबेर, गंधर्व और इन्द्र आए। अर्जुन ने सभी देवगणों की विधिवत पूजा की। सभी देवी देवताओं ने अर्जुन को आशीर्वाद तथा विभिन्न प्रकार के आलौकिक अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए। देवों द्वारा प्रदत्त आयुध से पांडवों की शक्ति बढ़ गई तथा उन्होंने महाभारत में विजय हासिल की।

नाजुक लब भी बताते हैं भाग्य का रहस्य

होंठ की बनावट से जानिए अपनी किस्मत

दोनों होंठ समान और सुंदर- ऐसा व्यक्ति सत्यप्रिय, सुशील एवं सज्जन वृत्ति का होता है। वह कोमल शब्दों से युक्त मीठी वाणी का प्रयोग करता है। परहितकारी तथा भाग्यशाली जीवन व्यतीत करने वाला होता है।

दोनों होंठ मोटे- ऐसा व्यक्ति मुंहफट होता है। अंतरमन में कोई रहस्य छिपाकर नहीं रखता। खानपान में विशेष रुचि रखता है। पेटू जैसा होता है।

दोनों होंठ पतले- ऐसा व्यक्ति सरल चित्त होता है। संघर्ष से उन्नति करता है। ढलती आयु में हर प्रकार का सुख भोगता है।

ऊपर का होंठ भारी- ऐसा व्यक्ति प्रभावशाली होता है, स्वादिष्ट भोजन की लालसा रखता है तथा गंभीर प्रवृत्ति का होता है।

निचला होंठ भारी- अहंकारी वृत्ति का प्रतीक है। ऐसा व्यक्ति अपनी बात मनवाने के लिए कुछ भी कर सकता है। दूसरों का दुख सुनकर या देखकर आंतरिक प्रसन्नता अनुभव करता है। सहनशील नहीं होता।

रक्तिम होंठ- शौर्य, वीर्य और उत्साह के द्योतक हैं। ऐसे नर-नारी काम लालसा का भरपूर लाभ प्राप्त करते हैं। ऐश्वर्यशाली एवं धनवान होते हैं।

काले होंठ- कपट तथा संघर्ष का प्रतीक है। ऐसे व्यक्ति मिथ्यावादी होते हैं तथा सदा दुख भोगते हैं।

सेहत के संकेत देती है बुध रेखा

बुध रेखा से जानिए कैसा होगा आपका भविष्य

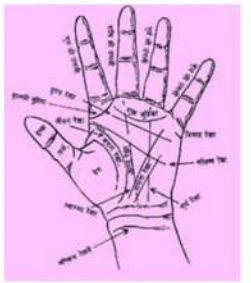

बुध रेखा से निकलकर जाने वाली रेखाएं व्यक्ति को व्यापारिक सफलता दिलाती हैं। इसके विपरीत नीचे जाने वाली रेखाएं असफलता की सूचना देती हैं। यदि बुध रेखा की कोई शाखा गुरु पर्वत पर पहुंच जाती है तो व्यक्ति को अत्यधिक सफलता मिलती है। ऐसे व्यक्ति में नेतृत्व, प्रतिभा और महत्वाकांक्षाओं की कमी नहीं रहती।

बुध रेखा की प्रशाखा यदि शनि पर्वत पर पहुंच रही हो तो व्यक्ति अध्ययनशील और गंभीर होता है। सूर्य पर्वत पर पहुंचने वाली प्रशाखा व्यक्ति को तेजस्वी और प्रतिभावान बनाती है। ऐसे व्यक्ति को सूर्य पर्वत के अनुरूप जीवन में अनेक विधियों द्वारा सफलता मिलती है।

जीवन रेखा से निकलने वाली बुध रेखा यदि अस्त-व्यस्त हो और जीवन रेखा पर लाल या नीले बिंदु हो तो व्यक्ति हृदय रोगों से पीड़ित होता है।

यदि मस्तिष्क रेखा और हृदय रेखा पास-पास हो और निर्बल हो तो व्यक्ति मूर्च्छा रोगों का शिकार होता है। यदि बुध रेखा दोनों हाथों में मस्तिष्क रेखा को काटकर गुणक चिह्न बनाती हो तो व्यक्ति रहस्य-विद्या तथा पराविज्ञान में रुचि रखने वाला होता है।

यदि बुध रेखा की कोई शाखा मस्तिष्क रेखा को स्पर्श करती हो तो वह व्यक्ति बुद्धिमान होता है।

यदि बुध रेखा मस्तिष्क रेखा पर समाप्त हो जाए और जीवन रेखा पर अनेक छोटी-छोटी रेखाएं हो तो व्यक्ति मानसिक रोगों का शिकार होता है।

चंद्र पर झुकी हुई मस्तिष्क रेखा पर गुणक चिह्न बनाने वाली बुध रेखा कल्पनाशीलता का संकेत देती है। बुध रेखा शनि और मस्तिष्क रेखाओं के साथ एक त्रिकोण बनाती हो तो व्यक्ति धार्मिक विचारों वाला होता है। यदि मस्तिष्क रेखा के मार्ग में वृत्त हो और बुध रेखा पर ऊपर की तरफ गुणक चिह्न स्थित हो तो व्यक्ति को अंधेपन का खतरा रहता है। बुध रेखा के पास बना क्रॉस आकस्मिक दुर्घटनाओं का संकेत देता है। इस प्रकार बुध रेखा पर आड़ी रेखा सफलता के मार्ग में बाधक रहती है व बुध पर्वत पर बुध रेखा अनेक भागों में हो तो उसको सफलता भी अनेक क्षेत्रों में मिलती है।

बुध रेखा को स्वास्थ्य रेखा कहा जाता है। बुध रेखा जितनी निर्दोष होगी, वह जातक कार्यक्षमता में उतना ही प्रवीण होगा।

वास्तु शास्त्र और शुभ वनस्पतियां

भारतीय संस्कृति में वृक्ष हैं महत्व

भारतीय संस्कृति में वृक्षों का अपना महत्वपूर्ण स्थान रहा है। आयुर्वेद के जनक महर्षि चरक ने भी वातावरण की शुद्धता के लिए विशेष वृक्षों का महत्व बताया है। अंततोगत्वा भूमि पर उत्पन्न होने वाले वृक्षों के आधार पर भूमि का चयन किया जाता है।

कांटेदार वृक्ष घर के समीप होने से शत्रु भय होता है। दूध वाला वृक्ष घर के समीप होने से धन का नाश होता है। फल वाले वृक्ष घर के समीप होने से संतति का नाश होता है। इनके काष्ठ भी घर पर लगाना अशुभ हैं। कांटेदार आदि वृक्षों को काटकर उनकी जगह अशोक, पुन्नाग व शमी रोपे जाएं तो उपर्युक्त दोष नहीं लगता है।

- पाकर, गूलर, आम, नीम, बहेड़ा तथा कांटेदार वृक्ष, पीपल, अगस्त, इमली यह सभी घर के समीप निंदित कहे गए हैं।
- भवन निर्माण के पहले यह भी देख लेना चाहिए कि भूमि पर वृक्ष, लता, पौधे, झाड़ी, घास, कांटेदार वृक्ष आदि नहीं हो।
- जिस भूमि पर पपीता, आंवला, अमरूद, अनार, पलाश आदि के वृक्ष अधिक मात्रा में हो वह भूमि, वास्तु शास्त्र में बहुत श्रेष्ठ बताई गई है।
- जिन वृक्षों पर फूल आते रहते हैं और लता एवं वनस्पतियां सरलता से वृद्धि करती हैं इस प्रकार की भूमि भी वास्तु शास्त्र में उत्तम बताई गई है।
- जिस भूमि पर कंटीले वृक्ष, सूखी घास, बैर आदि वृक्ष उत्पन्न होते हैं। वह भूमि वास्तु में निषेध बताई गई है।
- जो व्यक्ति अपने भवन में सुखी रहना चाहते हैं उन्हें कभी भी उस भूमि पर निर्माण नहीं करना चाहिए, जहां पीपल या बड़ का पेड़ हो।
- भवन के निकट वृक्ष कम से कम दूरी पर होना चाहिए ताकि दोपहर की छाया भवन पर न पड़े।
- सीताफल के वृक्ष वाले स्थान पर भी या उसके आसपास भी भवन नहीं बनाना चाहिए। इसे भी वास्तु शास्त्र ने उचित नहीं माना है, क्योंकि सीताफल के वृक्ष पर हमेशा जहरीले जीव-जंतु का वास होता है।
- जिस भूमि पर तुलसी के पौधे लगे हो वहां भवन निर्माण करना उत्तम है। तुलसी का पौधा अपने चारों ओर का 50 मीटर तक का वातावरण शुद्ध रखता है, क्योंकि शास्त्रों में यह पौधा बहुत ही पवित्र एवं पूजनीय माना गया है।

छींक अशुभ नहीं शुभ भी होती है

छींक को प्राय: अशुभ माना जाता है। शुभ कार्य के लिए गमन के समय यदि कोई छींक मार दे तो अपशकुन होता है। लोक मानस का विश्वास है कि एक से अधिक छींक आने पर अपशकुन नहीं होता। रोगी मनुष्य यदि बार-बार छींकता है तो भी इस पर अपशकुन नहीं होता।

- शुभ कार्य के लिए जाते समय यदि गाय या उसका बछड़ा छींक दे तो निश्चित कार्य सिद्धि होती है। यह शकुन धन वृद्धि का भी सूचक है।
- मार्ग में यदि गजराज छींक दे तो राज्य लाभ होता है।
- रास्ते में अथवा घर के बाहर यदि कुत्ता छींक दे तो विघ्न और विपत्ति की सूचना है, यदि कुत्ता एक से अधिक बार छींक दे तो विपत्ति के टल जाने की संभावना है।
- दु:स्वप्न, श्मशान तथा किसी दुर्घटना स्थल पर कोई व्यक्ति छींक मार देता है तो इसे वैदिक साहित्य में शुभ माना जाता है।
- भूकम्प, दुर्भिक्ष या महामारी की सूचना पर यदि जीव-जंतु तथा मनुष्य छींक दें तो अनिष्ट के दूर होने की संभावना रहती है।
- रसोई में दूध उबलते समय यदि गृहिणी छींक दे तो आपत्तिजनक है।
- दवाई का सेवन करते समय यदि छींक आए और औषधि गिर जाए तो रोग का निवारण शीघ्र होता है।

नोट : यह जानकारी परंपरागत रूप से प्राप्त ज्ञान पर आधारित है। पाठकों की सहमति-असहमति स्वविवेक पर निर्भर है।

फेंगशुई

सुख-शांति के लिए लगाएं तुलसी

घर में तुलसी के पौधे की उपस्थिति एक वैद्य के समान है। आपको हैरानी होगी कि यह वास्तु दोष दूर करने में भी सक्षम है। शास्त्रानुसार तुलसी के विभिन्न प्रकार के पौधे मिलते हैं। उनमें श्रीकृष्ण तुलसी, लक्ष्मी तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, नील तुलसी, श्वेत तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी मुख्य रूप से विद्यमान हैं। सबके गुण अलग-अलग हैं। ये नाक, कान, वायु, कफ, ज्वर, खांसी आदि रोगों को दूर करने में सहायक हैं। आइए तुलसी के वास्तु संबंधी टिप्स के बारे में जानें-

- प्रतिदिन तुलसी की चार पत्तियां सुबह खाली पेट खाने से मधुमेह, वात, पित्त आदि दूर होने लगते हैं। तुलसी के पास आसन लगाकर रोज बैठने पर अस्थमा आदि से जल्दी छुटकारा मिलता है।
- वास्तु दोष को दूर करने के लिए तुलसी के पौधे अग्नि कोण अर्थात दक्षिण-पूर्व से लेकर वायव्य उत्तर-पश्चिम तक के खाली स्थान में लगा सकते हैं। इसे गमलों में भी लगाया जा सकता है।
- तुलसी का गमला रसोई के पास रखने से पारिवारिक कलह समाप्त होती है। पूर्व दिशा की खिड़की के पास रखने से पुत्र यदि जिद्दी हो, तो उसका हठ दूर होता है। यदि संतान नियंत्रण में नहीं है, तो पूर्व दिशा में रखे तुलसी के पौधे में से तीन पत्ते खिलाने से संतान आज्ञानुसार व्यवहार करने लगती है।
- कन्या के विवाह में विलम्ब हो रहा हो, तो अग्नि कोण में तुलसी के पौधे को कन्या नित्य जल अर्पण कर एक प्रदक्षिणा करे।

जानें ग्रह कब देते हैं अशुभ फल?

शुभ-अशुभ फल और नौ ग्रह का असर

प्रत्येक जातक की कुंडली में ग्रहों की स्थिति शुभ-अशुभ रहती हैं। साथ ही ग्रहों की दशा-महादशा भी शुभ-अशुभ फल देती है। शनि की साढ़ेसाती भी जातक को शुभ-अशुभ फल देती है। परंतु इन सबके अलावा नवग्रह जातक के कर्म-कुकर्म के आधार पर भी शुभ-अशुभ फल देते है। जानिए कैसे ?

सूर्य- जब जातक किसी भी प्रकार का टैक्स चुराता है एवं किसी भी जीव की आत्मा को कष्ट देता है। तब सूर्य अशुभ फल देता है।

चंद्र- जब जातक सम्मानजनक स्त्रियों को कष्ट देता हैं। जैसे- माता, नानी, दादी, सास एवं इनके समान वाली स्त्रियों को कष्ट देता है तब चंद्र अशुभ फल देता है। धोखे से किसी से कोई वस्तु लेने पर भी चंद्रमा अशुभ फल देता है।

मंगल- जब जातक अपने भाई से झगड़ा करें, भाई के साथ धोखा करें। अपनी पत्नी के भाई का अपमान करें, तो भी मंगल अशुभ फल देता है।

बुध- जब जातक अपनी बहन, बेटी अथवा बुआ को कष्ट देता है, साली एवं मौसी को कष्ट देता है। जब जातक हिजड़े को कष्ट देता है, तो भी बुध अशुभ फल देता है।

गुरु- जब जातक पिता, दादा, नाना को कष्ट देता है अथवा इनके समान पद वाले व्यक्ति को कष्ट देता है। साधु-संतों को कष्ट देने से भी गुरु अशुभ फल देता है।

शुक्र- जब जातक जीवनसाथी को कष्ट देता है। घर में गंदे एवं फटे वस्त्र रखने एवं पहनने पर भी शुक्र अशुभ फल देता है।

शनि- जब जातक ताऊ, चाचा को कष्ट देता है, मजदूर की पूरी मजदूरी नहीं देता है। घर या दुकान के नौकरों को गाली देता है। शराब, मांस खाने पर भी शनि अशुभ फल देता है। कुछ लोग मकान या दुकान किराए से लेते फिर बाद में खाली नहीं करते या खाली करने के लिए पैसे मंगाते है, तो शनि अशुभ फल देता है।

राहु- जब जातक बड़े भाई को कष्ट देता है या अपमान करता है। ननिहाल पक्ष का अपमान करने पर एवं सपेरे का दिल दुखाने पर भी राहु कष्ट देता है।

केतु- जब जातक भतीजे, भांजे को कष्ट देता है या उनका हक छीनता है। कुत्ते को मारने या किसी के द्वारा मरवाने पर, मंदिर की ध्वजा तोड़ने पर केतु अशुभ फल देता है। किसी की झूठी गवाही देने पर भी राहु-केतु अशुभ फल देते हैं।

अत: नवग्रहों का अनुकूल फल पाने के लिए मनुष्य को अपना जीवन व्यवस्थित जीना चाहिए, किसी का दिल नहीं दुखाना चाहिए। न ही किसी के साथ छल-कपट करना चाहिए।

लीवरपूल में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए एलेक्स व एस्टन।

स्कॉटिश प्रीमियर लीग के शुरु होने का इंतजार कर रही है यह भारतीय फुटबॉलर

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉलर बाला देवी स्कॉटिश प्रीमियर लीग के शुरु होने का बेसबी से इंतजार कर रही हैं और अपनी फिटनेस पर काम रही हैं। कोरोना महामारी के कारण यह लीग भी रुकी हुई है। ऐसे में बाला संक्रमण के खतरे को देखते हुए अपने कार्यक्रम में बदलाव करती रहती हैं और इंडोर व्यायाम, योग और सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए अभ्यास करती हैं। बाला शीर्ष टीयर यूरोपीय लीग में खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, 'ट्रेनिंग के अलावा और अपने को फिटनेस के शिखर पर रखने के अलावा अभी यहां ज्यादा कुछ करने के लिये नहीं हैं। मौजूदा हालात में हम सभी खिलाड़ी अपना व्यक्तिगत अभ्यास कर रहे हैं और फिटनस पर ध्यान लगाये हैं।% वहीं अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अनुसार टीम कब एक साथ रिपोर्ट करेगी देखा जाएगा उसी के बाद आगे की योजना बनेगी। इस पफुटबॉलर ने कहा कि लॉकडाउन के बाद जब चीजें खुलेंगी तो मैं ट्रेनिंग करूंगी और भारत में अपने क्लब रेंजर्स एफसी के लिये खेलूंगी। उम्मीद करती हूं कि फिटनेस के मामले में सबसे आगे रहूंगी।

कोच पद से हटाए जाने का कारण नहीं जानता - कुक

नई दिल्ली। भारतीय महिला कुश्ती टीम के कोच पद से हटाये जाने से एंड्रयू कुक अभी भी दुखी हैं और वह अब भी वह समझ नहीं पा रहे हैं कि उन्हें किस कारण से हटाया गया। वह 2019 के शुरू में राष्ट्रीय शिविर से जुड़े पर कोरोना महामारी के बाद सीएटल रवाना होने से उनके और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) व भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के बीच विवाद उठ गया जिससे उन्हें बाहर कर दिया गया। कुक ने सीटल से कहा कि जब मैं रवाना हुआ था, तब मैं काफी उत्साहित था क्योंकि हमने एशियाई चैम्पयनशिप में आठ पदक के साथ शानदार प्रदर्शन किया था और क्वालीफाइंग प्रतियोगिता तक पहुंचने तक काफी अच्छी लय बनाई हुई थी। फिर कोरोना महामारी के कारण एकदम से हालात बदल गये। मुझे इससे नुकसान उठाना पड़ा जो मैंने कभी नहीं सोचा था। उन्होंने कहा कि मुझे भारत अपनी समृद्ध संस्कृति के कारण बहुत पसंद था और खाना भी शानदार था। खिलाड़ी भी काफी अच्छे थे पर बदकिस्मती से मुझे अपना पद खोना पड़ा। डब्ल्यूएफआई ने कहा था कि कुक ने साई द्वारा आयोजित ऑनलाइन सत्र में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया था। हालांकि कुक ने कहा कि वह सुबह तीन बजे उठकर सत्र आयोजित करने में मदद करते थे और इस दावे की साई के कोचों ने भी सही होने की पुष्टि की थी।

बीसीसीआई बैठक में भविष्य दौरा कार्यक्रम के साथ ही घरेलू सत्र पर भी होगा फैसला

मुम्बई। कोरोना महामारी के कारण आयी बाधा को देखते हुए बीसीसीआई की शीर्ष समिति की आगामी 17 जुलाई को होने वाली अहम बैठक में संशोधित भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) और घरेलू सत्र को अंतिम रूप देने पर फैसला होगा। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए यह बैठक ऑनलाइन ही होगी। इस बैठक में आईपीएल में चीनी कंपनी वीवो के प्रायोजन करार को लेकर भी बात होने की संभावना है हालांकि आईपीएल से संबंधित किसी भी मामले में अंतिम फैसला इसकी संचालन समिति ही ले सकती है। जिसने पिछले महीने गलवान घटी में चीन के साथ हुई झड़प को देखते हु देश भर में चीनी कंपनियों का विरोध हो रहा है, ऐसे में बीसीसीआई पर भी इस करार से बाहर आने का दबाव है। इस बैठक के एजेंडे में घरेलू क्रिकेट कार्यक्रम को अंतिम रूप देने पर भी चर्चा हो सकती है। कोरोना महामारी के कारण हुए लॉकडाउन के कारण घरेलू क्रिकेट भी प्रभावित हुआ है। ऐसे में अगर अक्टूबर-नवंबर में आईपीएल के आयोजन की योजना बनती है तो इस बात की भी संभावना है कि घरेलू सत्र को छोटा किया जाएगा। पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बीसीसीआई को भारत में होने वाले 2021 टी20 विश्व कप के लिए कर में राहत की मांग पर फैसला करने के लिए दिसंबर तक का समय दिया था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'इस मामले पर भी चर्चा होगी।' इसके अलावा, परिषद में 'बिहार क्रिकेट संघ से संबंधित मामलों पर भी चर्चा होगी।

टी20 प्रारुप खुलकर खेलने की आजादी देता है : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने टी20 क्रिकेट को एक अहम प्रारुप बताया है। पूर्व कप्तान गांगुली ने कहा कि अगर वह भी इस प्रारुप में खेल रहे होते तो इसके अनुसार उन्हें भी अपने खेल में बदलाव करने होते। गांगुली ने सोशल मीडिया पर हुए एक कार्यक्रम में सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल से बात हुए कहा, ''टी20 बहुत अहम प्रारुप है। इसके लिए मैंने अपने भी खेल में बदलाव किया होता। यह आपको खुलकर खेलने की आजादी देता है।'' गांगुली का क्रिकेट करियर जब समाप्त हो रहा था तभी टी20 प्रारुप शुरु हुआ इसलिए वह इसे अधिक नहीं खेल पाये। उन्होंने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की और फिर पुणे वारियर्स के लिए भी खेले। उन्होंने कहा, ''मुझे टी20 खेलना पसंद था, हालांकि मैंने आईपीएल के पहले पांच साल खेले है। मुझे लगता है कि मैंने टी20 का आनंद उठाया था।'' गांगुली ने इस दौरान 2003 विश्व कप और लॉर्ड्स की बालकनी से टी-शर्ट लहराने की यादों को ताजा किया। गांगुली की कप्तानी

में भारतीय टीम 2003 विश्व के फाइनल में पहुंची थी जबकि टीम ने 2002 में नेटवेस्ट ट्रॉफी फाइनल में 326 रन के लक्ष्य को हासिल कर शानदार जीत दर्ज की थी। उन्होंने कहा, ''यह एक बेहतरीन क्षण था। हम भावनाओं में बह गये थे, पर खेल में ऐसा होता है।

एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन के लिए शीर्ष टीमों से खेलना जरुरी : बाला देवी

नई दिल्ली। विदेशी लीग में खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर बाला देवी ने कहा कि 2022 एएफसी एशियाई कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए भारतीय टीम को उससे पहले होने वाले मुकाबलों में शीर्ष टीमों के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना होगा। बाला देवी अभी स्कॉटिश यूरोपीय लीग में खेलने गयी हैं। उन्होंने एशियाई कप को भारतीय टीम के लिये कड़ी परीक्षा करार दिया। उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो हम नहीं जानते कि सभी टीमों का स्तर क्या है। हम सुधार कर रहे हैं पर हम ऐसा तभी कर सकते हैं जब हम शीर्ष 25 रैंकिंग में रहने वाली टीमों से खेलें और तभी हमें पता चलेगा कि हमारे पास उनकी बराबरी का कोई अवसर है या नहीं।'' बाला ने कहा, ''महिलाओं का एशिया कप हमारे लिये बड़ी परीक्षा होगी और हम उम्मीद करते हैं कि हम इसके लिये एक साथ तैयारी करें।'' भारत अगले साल अंडर-17 महिला विश्व कप की भी मेजबानी कर रहा है। उन्होंने कहा, ''अंडर-17 विश्व कप से भी महिला फुटबॉल पर सबकी निगाहें लगी होंगी।'' उन्होंने कहा,

''यह टूर्नामेंट काफी बड़े स्तर पर टीवी पर प्रसारित किया जायेगा और भारत इसकी मेजबानी करेगा ऐसे में दर्शकों में भी भारी उत्साह रहेगा। इसके बाद भारत 2022 महिला एशिया कप की मेजबानी करेगा।

क्यूबीई जनरल इंश्योरेंस का अधिग्रहण करने की तैयारी में पेटीएम

नई दिल्ली । वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के स्वामित्व वाली पेटीएम, इसके संस्थापक विजय शेखर शर्मा मिलकर मुंबई स्थित निजी क्षेत्र की कंपनी रहेजा क्यूबीई जनरल इंश्योरेंस का अधिग्रहण करने वाले हैं। कंपनी के बयान में इसकी जानकारी दी गई है।कंपनी ने कहा कि रहेजा क्यूबीई को 51 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रिज्म जॉनसन के पास जबकि 49 हिस्सेदारी क्यूबीई आस्ट्रेलिया के पास है। पेटीएम दोनों की हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी में है, और कंपनी की पूरी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने हालांकि,सौदे की वित्तीय जानकारी का खुलासा नहीं किया है। इस अधिग्रहण सौदे को भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) की मंजूरी के अलावा और भी अन्य मंजूरियां लेनी होंगी। बहरहाल, प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड जिस पहले प्रिज्म सीमेंट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, ने एक अलग बयान जारी कर कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने अपने जनरल इंश्योरेंस संयुक्त उद्यम, रहेजा क्यूबीई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (आरक्यूबीई) में अपनी पूरी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी पेटीएम और विजय शेखर शर्मा को 290 करोड़ रुपये में बेचने को मंजूरी दी है। प्रिज्म जॉनसन ने नियामकीय सूचना में कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने आरक्यूबीई में 51 प्रतिशत चुकता पूंजी क्यूओआरक्यूएल प्राइवेट लिमिटेड को 289.68 करोड़ रुपये में बेचने को मंजूरी दी है। क्यूओआरक्यूएल प्रा. लि. एक प्रौद्योगिकी कंपनी है जिसकी बहुलांश हिस्सेदारी विजय शेखर शर्मा और शेष पेटीएम के पासहै। रहेजा क्यूबीई ने 2009 में काम शुरू किया था।

बंद हो चुके सीकेपी बैंक के ग्राहकों के अकाउंट में अटके हुए पैसे डीआईसीजीसी वापस देगा

मुंबई । बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने 30 अप्रैल को सीकेपी बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया था, जिसके बाद इस बैंक के ग्राहकों के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो गई थी। आरबीआई के इस फैसले के बाद सभी ग्राहकों के पैसे बैंक में अटक गए थे। लेकिन अब करीब दो महीने बाद इन ग्राहकों के अपने पैसे वापस मिलने का रास्ता साफ हो गया है। उनकी एफडी की रिफंड उन्हें डिपॉजिट बीमा कॉरपोरेशन (डीआईसीजीसी) की तरफ से मिलने वाली है। इसी साल फरवरी में सरकार ने डिपॉजिट बीमा की रकम को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने का ऐलान किया था। अब सरकार के इस ऐलान का लाभ सीकेपी बैंक के ग्राहकों को मिलता दिख रहा है। डिपॉजिट बीमा को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा ऐलान के अनुसार एफडी की ब्याज सहित रकम या 5 लाख रुपये इसमें से जो कोई भी रकम कम होगी उतनी रकम ग्राहकों को दी जायेगी। ये जानकारी महाराष्ट्र नागरी सहकारी बैंक्स फेडरेशन ने दी है। सीकेपी बैंक में एफडी में निवेश करने वाले अकेले ग्राहक या संयुक्त ग्राहक अपने पैसे की प्राप्ति के लिए डिपॉजिट कॉर्पोरेशन के नियमों के प्रावधानों के अनुसार दावा कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। पैसे की प्राप्ति के लिए उन्हें पैन कार्ड, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र जैसे प्रमाण और आवश्यक कागजातों से बैंक के निर्धारित फॉर्म में जमा कराएं। निर्धारित फॉर्म सीकेपी बैंक ने अपने ग्राहकों को पोस्ट से भेजे हैं। एक खबर के मुताबिक जिन्हें फॉर्म नहीं मिला है वे बैंक की नजदीकी शाखा में जाकर उसे प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा बैंक की वेबसाइट पर भी फॉर्म उपलब्ध हैं। महाराष्ट्र नागरी सहकारी बैंक्स फेडरेशन ने एक प्रेस नोट के जरिये ये जानकारी उपलब्ध कराई है। गौरतलब है कि आरबीआई साल 2014 से ही सीकेपी बैंक पर प्रतिबंध की अवधि को लगातार बढ़ा रहा था। आरबीआई ने कहा था कि इस बैंक के नेटवर्थ में लगातार गिरावट देखने को मिल रही थी। बैंक का ऑपरेशनल मुनाफा होने के बाद बावजूद नेटवर्थ कम हो रहा था। इसके बाद आरबीआई ने अंततः इस बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई के इस फैसले के बाद करीब सवा लाख खाताधारकों पर संकट खड़ा हो गया।

05 हजार रूपये के इनामी लुटेरें को लूटे गये मोबाइल सहित किया गिरफ्तार

ग्वालियर। थाना ऑतरी पुलिस ने 05 हजार रूपये के इनामी शातिर लुटेरें को लूटे गये मोबाइल व घटना मे प्रयुक्त मोटर साइकिल सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर नवनीत भसीन,भापुसे द्वारा चोरों एंव लुटेरों की धरपकड़ हेतु ग्वालियर जिले में चलाये जा रहे अभियान के दौरान अति0पुलिस अधीक्षक, देहात रायसिंह नरवरिया एवं एसडीओपी, डबरा उमेष सिंह तोमर ने अपने अधीनस्थ थाना प्रभारियों को चोरों एंव लुटेरों की धरपकड़ हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के लिये निर्देषित किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषों के परिपालन में दिनांक 07.07. 2020 को थाना प्रभारी ऑतरी उनि0 श्री अमित शर्मा को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि दिनांक 02.03.2020 शीतला माता टॉवर के पास से मोबाइल लूटकर भागने वाले शातिर लुटेरें को ग्राम बडेरा पहाडी पर स्थित मंदिर पर देखा गया है। उक्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुये थाना प्रभारी ऑतरी ने मय थाना बल के मुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी कर एक लुटेरे को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किये गये लुटेरा से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम रघुवीर गुर्जर उर्फ छुक्का उर्फ कृष्णा गुर्जर पुत्र अतर सिंह गुर्जर निवासी ग्राम बडेरा थाना ऑतरी जिला ग्वालियर बताया गया। गिरफ्तार लुटेरें से शक्ति से पूछताछ करने पर उसने बताया कि 02.03.2020 को शीतला माता मंदिर के पास मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया था। गिरफ्तार बदमाष की निषॉदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल बजाज प्लेटिना नं डच07 डल् 3011 एवं लूटा गया मोबाइल वीवो कम्पनी, को लुटेरें के घर से बरामद कर लिया गया है। उक्त शातिर लुटेरें की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा 5000/- रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। ज्ञात हो कि दिनांक 02.03.2020 को फरियादी कोमलता लोधी द्वारा थाना ऑतरी पर आकर सूचना दी की वह अपने दोस्तो के साथ शीतला माता मंदिर के पास बैठी थी तभी 03 मोटर साइकिल सवार अज्ञात बदमाष। मेरा मोबाइल लूटकर भाग गये है। उक्त सूचना पर से थाना ऑतरी में अज्ञात बदमाषों के खिलाफ लूट का प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया था। सराहनीय भूमिकाः उक्त शातिर चोरों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी ऑतरी उनि0 श्री अमित शर्मा, सउनि0 षिव सिंह गुर्जर, प्रआर0 विनोद सिंह, जितेन्द्र जाट, आर0 रविषंकर राजावत, बृजमोहन शर्मा, रवि जाटव, शम्भू सिंह गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही है।

उड़ान वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा स्वामी विवेकानंद के मूर्ति पर किये श्रद्धा सुमन अर्पित

अमित शर्मा

ग्वालियर। उड़ान वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा स्वामी विवेकानंद पुण्यतिथि पर स्वामी विवेकानंद चौराहा थाटीपुर स्थित स्वामी विवेकानंद जी के मूर्ति पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। और साथ ही साथ स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को लोगों तक पहुंचाने का शपथ भी लिया गया। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष सीता पाणीग्राही का कहना हैं कि भारत युवाओं का देश है हमारे देश के युवाओं को स्वामी विवेकानंद जी से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके विचारों का अनुसरण करना चाहिए। आजकल के युवा पाश्चात्य सभ्यता की ओर बहुत तेजी से अग्रसर हो रहे हैं और अपनी सभ्यता और संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। पाश्चात्य सभ्यता और संस्कृति को अपनाना गलत नहीं है लेकिन अपने सभ्यता और संस्कृति को भूलना कहीं ना कहीं अभी अपनी सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा है। अभी वैश्विक महामारी के चलते पूरे विश्व ने यह स्वीकार किया है कि अपनी सभ्यता और संस्कृति कितनी अच्छी है। इस अवसर पर अंजलि धारा मीनल जैन मधु अरोड़ा प्रीति भदोरिया आदि उपस्थित रहीं।

रेल से कटकर युवक की मौत

ग्वालियर। रेलवे स्टेशन पर झांसी एंड ओवर ब्रिज के पास ही एक युवक की रेल से कटकर मौत हो गई मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है! जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह जीआरपी को सूचना मिली कि झांसी एंड ओवर ब्रिज के नीचे पटरी पर एक युवक की लाश पड़ी है सूचना मिलते ही जीआरपी मौके पर आ गई और मृतक के शव को कब्जे में लिया मृतक की शिनाख्त नहीं हो हो सके उसकी उम्र 24 ,25 वर्ष के आसपास बताई गई है! मृतक के शव पर सफेद शर्ट और नीली जींस है जीआरपी ने सबको पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है!

नवीन आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने राष्ट्रीय सेवा योजना मप्र के स्वयंसेवकों ने दिया डिजिटल संदेश

बरखा श्रीवास्तव

ग्वालियर। कोविड-19 के दुष्प्रभावों से देश को बचाने तथा भावी भारत के अभ्यंतर निर्माण हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना, मध्यप्रदेश के स्वयंसेवकों द्वारा %आत्मनिर्भर भारत% नामक वीडियो संदेश निर्मित किया गया; जो कि यूट्यूब चैनल %23हस्र हृड्डस्र 2020 हस्स् स्क्र% पर देखा जा सकता है। उपर्युक्त वीडियो संदेश में %आत्मनिर्भर भारत% विषय पर स्वरचित कविता के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 25 रा.से.यो. स्वयंसेवकों ने राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने का आमजन से आह्वान किया। स्वयंसेवकों ने हरित क्रांति, नीली क्रांति, श्वेत क्रांति, मेक इन इंडिया, आदि जैसे प्रतिमानों का उल्लेख करते हुए समृध्द और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का निवेदन किया। इस वीडियो संदेश में अवधेश प्रताप सिंह विवि रीवा के स्वयंसेवक अनामिका शुक्ला, देवेंद्र रोशन, किरण शुक्ल; बरकतउल्ला विवि भोपाल से अभिषेक विश्वकर्मा, केशव मिश्रा,प्रज्ञा दुबे, श्वेता बिल्लोरे; देवी अहिल्या विवि इंदौर से ज्ञानेश्वरी ठाकुर, खुशबू प्रजापति, विजय भदौर; जीवाजी विवि ग्वालियर अंकित शर्मा, भारती कुशवाहा, राहुल राजपूत, यशी चंद्रा; महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विवि छतरपुर से आशुतोश दुबे, आयुषी सिंघई, दिलीप दांगी, वंदना तिवारी; रानी दुर्गावती विवि जबलपुर से कविता झारिया, नितिन पांडेय, पूजा सिंह, प्रियांशु त्रिपाठी; विक्रम विवि उज्जैन से धीरज कुमार ,लक्ष्य उपाध्याय और प्रांजल बैरागी ने विशेष भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि वीडियो में सहभागिता करने वाले स्वयंसेवक 23वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2020, लखनऊ में रा.से.यो. मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

उपनगर ग्वालियर एवं हजीरा क्षेत्र के विकास कार्यों को तेजी से पूरा करें

नगर निगम आयुक्त एवं अपर कलेक्टर ने की ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा

ग्वालियर। उपनगर ग्वालियर, हजीरा, तानसेननगर, विनयनगर, आनंदनगर व बहोड़ापुर इत्यादि क्षेत्रों की शेष सड़कों की मरम्मत का काम तेजी से पूरा करें। साथ ही इस क्षेत्र में चल रहे अन्य विकास कार्य भी समयबद्ध कार्यक्रम के तहत पूर्ण कराएँ। इस आशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन एवं अपर कलेक्टर श्री किशोर कन्याल ने विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए। सड़कों एवं अन्य कार्यों को पूर्ण करने के लिये कार्यवार समय-सीमा भी बैठक में निर्धारित की गई। अमृत तथा अन्य योजनाओं के तहत निर्माणाधीन पेयजल टंकियां एवं पाइप लाईन डालने के काम को भी जल्द से जल्द पूरा करने पर बैठक में जोर दिया गया। मंगलवार को यहां कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में जानकारी दी गई कि उपनगर ग्वालियर एवं हजीरा सहित ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के अन्य इलाकों में कुल 39 सड़कों की करोड़ों रूपए की लागत से मरम्मत कराई जा रही है। इनमें से लगभग डेढ़ दर्जन सड़कों का काम पूरा हो चुका है। शेष सड़कों का काम पूरा करने के लिये बैठक में तिथिवार समय-सीमा निर्धारित की गई। नगर निगम आयुक्त एवं अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों के काम में किसी तरह की ढ़िलाई न हो। विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान बैठक में बताया गया कि फूलबाग से ट्रिपल आईटीएम तक एलीवेटेड सड़क निर्माण की डीपीआर/एनआईटी टेण्डर संबंधी प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही टेंडर की कार्रवाई की जायेगी। सरकार द्वारा हाल ही में 10 करोड़ रूपए की लागत से मंजूर किए गए खेल परिसर के निर्माण की प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। खेल परिसर का निर्माण ट्रिपल आईटीएम के सामने स्थित सरकारी जमीन पर होगा। बहोड़ापुर, चार शहर का नाका व किलागेट चौराहों का सौंदर्यीकरण, उरवाई गेट का निर्माण, डीआरपी लाईन के सरकारी स्कूल के लिये जमीन का आवंटन इत्यादि विकास कार्यों की भी बैठक में समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों से इन कामों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के लिये कहा गया। बैठक में जानकारी दी गई कि उपनगर ग्वालियर व हजीरा एवं इससे जुड़े अन्य इलाकों की पेयजल आपूर्ति के लिये चल रहे प्रोजेक्ट तिघरा से जलालपुर डब्ल्यूटीपी-160 के तहत पाइप लाईन बिछाने इत्यादि का 91 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इस क्षेत्र के दूसरे पेयजल प्रोजेक्ट का भी 65 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। सीवरेज सिस्टम का काम भी तेज गति से चल रहा है। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि जो विकास कार्य पूरे हो चुके हैं उनका तत्परता से लोकार्पण कराएं, जिससे इन कार्यों का उपयोग जनहित में हो सके। इसी तरह जिन विकास कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति एवं टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है उन कार्यों का शिलान्यास कराएँ, जिससे ये काम तेजी से मूर्तरूप ले सकें। जेसी मिल के श्रमिकों को पट्टा वितरण एवं उन्हें स्वरोजगारमूलक से जोड़ने की कार्रवाई, इस क्षेत्र के पात्र परिवारों को खाद्यान्न की पर्ची वितरण, महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को आर्थिक सहायता तथा संजीवनी क्लीनिक की स्थापना सहित अन्य कार्यों की भी बैठक में समीक्षा की गई। इस अवसर पर नगर निगम, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा शहर विकास से जुड़े अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

अगले तीन वर्ष में किसानों के लिए 2 लाख सोलर पम्प स्थापित किये जाएंगे

ग्वालियर। प्रदेश में सोलर पम्प लगाने को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सोलर पम्प योजना के तहत किसानों के लिये अब-तक 14 हजार 250 सोलर पम्प स्थापित किये जा चुके हैं। अगले तीन वर्षों में 2 लाख सोलर पम्प लगाने का लक्ष्य है। सोलर पम्प से राज्य के किसानो कों सिंचाई का भरपूर लाभ मिलेगा। सोलर पम्प लगाने से राज्य की बिजली कम्पनी पर भी भार कम होगा। सोलर पम्प का ये भी लाभ होगा कि ताप विद्युत पर निर्भरता कम होगी और यह पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मुख्यमंत्री सोलर पम्प योजना के अंतर्गत किसानों को विशेष अनुदान देकर सस्ती दरों पर सोलर पम्प उपलब्ध करायें जाएंगे। इस योजना का सरलीकरण किया जा रहा है। किसानों को सोलर पम्प लगवाने में इससे सुविधा होगी। प्रदेश में अब तक 30 मेगावाट क्षमता के सोलर रूफ टॉप संयंत्र स्थापित किये जा चुके हैं। इस वर्ष प्रदेश के 700 शासकीय भवनों पर 50 मेगावाट क्षमता के सोलर रूफ टॉप लगाना प्रस्तावित हैं। सोलर रूफ टॉप संयंत्रों से उत्पादित बिजली की दरें एक रूपये 38 पैसे प्रति यूनिट प्राप्त हुई। सरकार का प्रयास है कि रूफ टॉप संयंत्र घर-घर लगायें जाएं जिससे उपयोग के लिये बिजली सस्ती दरों पर मिलें। शासकीय भवनों पर सौर संयंत्र ऐसे मॉडल पर लगाये जा रहे हैं, जिसमें हितग्राही विभाग अथवा संस्था को कोई पैसा नहीं देना पड़े, जिससे संयंत्र विकसित करने वाला सस्ती बिजली उपलब्ध करायेगा। प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिये सौलर ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा रहा है। भोपाल के निकट मंडीदीप में 400 औद्योगिक ईकाइयों के लिये 32 मेगावाट क्षमता की सोलर रूफ टॉप परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इससे उद्योगों को सस्ती बिजली मिलने से औद्योगिक क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी।

मंदिर के पुजारी को पीटा दान पेटी से नगदी लूटी. वकील से मोबाइल छीना

ग्वालियर। देहात के भितरवार थाना क्षेत्र में हनुमान कॉलोनी के पास बने मंदिर मैं रात को चोरों ने धावा बोल दिया और मंदिर के पुजारी की मारपीट कर दान पेटी से 22000 की नगदी लूट कर भाग गए! पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उनकी तलाश प्रारंभ कर दिए! वही जनक गंज थाना क्षेत्र में अपने कार्यालय से घर जा रहे एडवोकेट करतार सिंह कुशवाहा को हरे शिव गार्डन के पास तीन बदमाश मारपीट कर उनका मोबाइल छीन कर भाग गए! पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दिए!

भारत विकास परिषद ने कोरोना वॉरियर्स का सम्मान किया

ग्वालियर। भारत विकास परिषद शाखा समपर्ण के द्वारा महाराज बाडे पर पिछले 23 माह से सभी के सहयोग से 2 मिनट राष्ट्र के नाम कार्यक्रम (राष्ट्रगान) चल रहा है। ग्वालियर सेवा भाव समिति के उपाध्यक्ष रमेश गोयल, सुमित चौहान, आकाश तोमर, तन्नू चौहान व सूर्य तोमर का सम्मान कोरोन वॉरियर्स के रूप में किया गया। राष्ट्र गान प्रभारी गिरीश अग्रवाल ने बताया कि सम्मानित लोगो के द्वारा पिछले 5 वर्षो से बड़े अस्पताल में रोज नियमित 400 लोगों को निशुल्क भोजन कराया जाता है। इस कोरोना महासंक्रमन काल मे आपने रात के 2 व 3 बजे तक भी अपनी सेवाएं दी हैं उस समय आपने दूध व खाने का वितरण निशुल्क किया है। इस कार्यक्रम में संरक्षक अरविंद दूदावत, संस्थापक अनूप अग्रवाल, संस्थापक व प्रान्तीय मंत्री संजय धवन, उपाध्यक्ष गुलाब प्रजापति, गिरीश अग्रवाल, सतीश राजौरिया, बसंत खोढेला, कमल गुप्ता, प्रेम शिवहरे, हीरालाल जैन, वाजिद कुरेशी, प्रीतम खोइया, महेश धीमान, बीके शर्मा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गिरीश अग्रवाल के द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन गुलाब प्रजापति ने किया। स्वागत संजय धवन, गिरीश अग्रवाल, गुलाब प्रजापति द्वारा फूलमालाओं व स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया। राष्ट्र गान कार्यक्रम की प्रंशसा रमेश गोयल द्वारा की गई और कहा कि किसी भी कार्यक्रम का 23 माह तक लगातार चलना ही उसकी सफलता बयां करता है।

संपत्ति एवं जल कर में नहीं लगेगा अधिभार

ग्वालियर। राज्य शासन द्वारा नगरीय निकायों के कर आदि पर 22 मार्च से 15 जून 2020 तक के देय अधिभार (सरचार्ज) को माफ कर दिया गया है। ऐसे नागरिक, जो 31 जुलाई 2020 तक नगरीय निकायों के कर जमा करेंगे, उनके लॉकडाउन अवधि को अधिभार की गणना में नहीं लिया जायेगा। गौरतलब है कि नोवल कोरोना वायरस की महामारी के कारण लॉकडाउन लागू होने के कारण आम नागरिक नगरीय निकायों के विभिन्न कर जैसे सम्पत्ति कर, जल कर/जल उपभोक्ता प्रभार आदि का भुगतान नहीं कर पाये हैं। इससे करों आदि पर अधिभार देय हो गये हैं। इसलिये राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों के हित में अधिभार माफ करने का निर्णय लिया गया है। सभी नगर निगम आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को वर्ष 2019-20 के संपत्ति कर एवं जल कर पर अधिभार न लेते हुए 31 जुलाई तक अधिक से अधिक कर संग्रह करने के निर्देश दिये गये हैं।

बिना मास्क लगाए घूमते पाए जाने पर 11 लोगों पर कार्यवाही

लॉकडाउन का पालन न करने पर तीन दुकानदारों पर लगा 2600 रूपए का जुर्माना

ग्वालियर। जिले में कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने एवं बचाव हेतु जिला प्रशासन ने नागरिकों से सावधानी एवं सुरक्षा बरतने के साथ लागू लॉकडाउन का पूर्ण पालन करने की अपील की है। मंगलवार को लॉकडाउन का पालन न करने के आरोप में चार दुकानों को सील्ड कर तीन दुकानों पर 2600 रूपए का जुर्माना किया गया। जबकि जांच दल ने बिना मास्क लगाए घर से बाहर घूमते पाए जाने पर 11 लोगों पर कार्यवाही कर कोरोना वॉलेन्टियर के रूप में तीन दिन कार्य लिया जायेगा। मास्क लगाए बिना घर से बाहर घूमते पाए गए व्यक्तियों में तारागंज के महबूब पुत्र मुन्ना शाह, कम्पू ईदगाह के सुनील पुत्र कालीचरण, छत्री मंडी पुल के कन्हैयालाल पुत्र विजय जाटव, कम्पू ईदगाह के महेश पुत्र किशन, खल्लासीपुरा के रामकुमार पुत्र नारायण सिंह, गुडीगुडा का नाका के जितेन्द्र गोस्वामी पुत्र महेश, जीवाजीगंज के आबिद अली पुत्र शौकत अली, आमखो के रोहित दुबे पुत्र शिवशंकर दुबे, गिरवाई नाका के जोगी पुत्र नारायण सिंह, कम्पू ईदगाह के प्रभात कुमार पुत्र प्यारेलाल और ढोलीबुआ के पुल के संजय गर्ग पुत्र आर डी गर्ग शामिल हैं। जबकि लॉकडाउन के दौरान सील्ड की गई चार दुकानों में एन सिंघल की हल एग्रो की दुकान, आदर्शराम डीलर साहिल साहब की कूलर अलमारी की दुकान, भरत पोपली की फर्नीचर की दुकान और किशन पाहवा की कूलर एवं अलमारी की दुकान को सील्ड किया गया। कलेटक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने में अपना सहयाग दें तथा घर से बाहर निकलते समय मास्क अवश्य लगाएं। सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखें, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में न जाएं।

स्वामित्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ... इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक एम.पी.एच.आई.एन./31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478